हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 233, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 24 फरवरी, 2024 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी ने सारी सीटे मोदी को देने का लिया निर्णय, नहीं बचेगी जमानत : पीएम मोदी

पीएम ने काशी से लोकसभा चुनाव का किया शंखनाद, दी सौगात

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों पूर्वांचल वासियों को कई परियोजनाओं की सौगात मिली। पीएम ने काशी के दो दिवसीय दौरे के दौरान शुक्रवार को कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम ने काशी से लोकसभा चुनाव का शंखनाद भी किया। कहा इस बार यूपी ने सारी सीटें मोदी को देने का निर्णय लिया है। पीएम मोदी ने विपक्ष के गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि माल वही है, पैकिंग नई है। पीएम ने कहा कि इस बार जमानत नहीं बचेगी इनकी।

पीएम मोदी ने हर हर महादेव के उद्घोष के साथ संबोधन समाप्त किया। आने वाले पांच वर्षों में काशी का नेशनल परिसर तैयार हो जाएगा। जिससे युवाओं को काफी फायदा होगा। बुनकरों को भी संबल प्रदान किया जाएगा। एक नया मेडिकल कॉलेज बनने वाला है। आज कई करोड़ की मशीनों का लोकार्पण कर स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। काशी का तेज विकास नहीं थमेगा। काशीवासियों और बाबा के आशीर्वाद पाकर विकास कार्यों को मैं आगे बढ़ा रहा हूं। यूपी ने सारी सीटें मोदी को देने का निर्णय कर लिया है। मोदी का तीसरा कार्यकाल सबसे प्रखर कार्यकाल होने वाला है। भारत का आर्थिक, सामाजिक हर क्षेत्र बुलंदी पर होगा। भारत 11वें नंबर से ऊपर उठकर 5वें नंबर पर आया। अब तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की सबसे मजबूत शक्ति बनेगा। देश को चार लेन, छह लेन, आठ लेन की सड़कें बन रही है। वंदे भारत चल रहा है। ऐसे ही विकास कार्य आए दिन होंगे। देश का कायाकल्प होने वाला है। इस भारत को विकसित भारत का इंजन बनाऊंगा। यूपी और बिहार को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार काम कर रही है। भविश्य में बनारस से कोलकाता का समय करीब-करीब आधा होने वाला है। इन सड़कों पर आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। काशी यूपी ही नहीं देश की भी एक महत्वपूर्ण नगरी बनेगी। आने वाले दिनों में काशी मेक इन इंडिया का ज्ञान देगी। जबसे काशी विश्वनाथ बना है तबसे 12 करोड़ लोग यहां दर्शन करने आ चुके हैं, जिससे छोटे व्यापारियों को काफी लाभ मिला है। परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण ने यूपी को पीछे रखा। पहले की सरकार ने यूपी को बीमार बनाए रखा। आज जब यूपी बदल रहा है यहां के नौजवान अपना भविष्य लिख हैं तो यह परिवारवाद वाले चीढ़ रहे हैं। युवराज कह रहा यूपी के नौजवान नशेड़ी हैं। यह कैसी भाषा है। मोदी को गाली देते-देते अब यूपी के नवजवानों पर अपना फ्रस्टेशन निकाल रहे हैं। जिनके अपने होश ठिकाने नहीं हैं ये लोग यूपी और काशी के मेरे बच्चों को नशेड़ी कह रहे हैं। यूपी का नौजवान परिश्रम की पराकाष्ठा कर रहा है। एनडीए गठबंधन द्वारा यूपी के नौजवानों का यह अपमान यूपी के लोग कभी नहीं भुलेंगे।

कहा कि सामान्य युवा को अगर मौका मिला तो वे पहले इनका ही विरोध करेंगे। पीएम ने कहा कि फ्लाईओवर के कारण लोगों को बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचने में समय की बचत हो रही है। सिगरा स्टेडियम के पहले चरण के काम का लोकार्पण किया गया है। इन सब कामों से क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को मदद मिलेगी। पीएम ने कहा स्वदेशी नस्ल की गीर गाय का मकसद था कि पूर्वांचल में स्वदेशी गायों को लेकर जानकारियां बढ़े ताकि किसानों-पशुपालकों की आय बढ़े। आज यहां गीर गायों की संख्या 350 तक पहुंच चुकी है। बहनों ने बताया कि सामान्य गाय से पांच किलोमीटर दूध मिलता था, गीर गाय 15 लीटर दूध देती है। कुछ गायें तो 20-20 लीटर दूध दे रही हैं। इससे हमारी बहनों की आय बढ़ रही है। हमारी दीदी लखपति दीदी बन रही हैं। पीएम मोदी ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जो खुद होश में नहीं हैं, वह मेरे काशी के नवजवानों को नशेड़ी कह रहे हैं। ये अपने परिवार के बाहर नहीं देख सकते। पहले की सरकार और हमारी सरकार में यही अंतर है कि हम आत्मनिर्भर भारत बनाने का कार्य करते हैं और पहले की सरकारें हर जरूरत की चीजों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहते थे। इससे देश आत्मनिर्भर नहीं हो सकता। 600 डन कचरे को दो सौ टन चारकोल में बदलने वाले प्लांट का भी उद्घाटन किया गया है। पीएम ने कहा लोग कहते हैं 'मोदी की गारंटी' यानी गारंटी को पूरा करने की गारंटी।

बीएचयू में बोले सीएम योगी, पीएम की प्रेरणा से संयुक्त अरब अमीरात में बना पहला हिंदू मंदिर

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 500 वर्षों के प्रभु श्रीरामलला के वनवास के कालखंड को समाप्त कर अयोध्या धाम में अपनी दूरदर्शिता, वचनबद्धता और कर कमलों से प्रभु को विराजमान कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी आए हैं। अयोध्या धाम के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा व प्रयास से संयुक्त अरब अमीरात में पहला हिंदू मंदिर बना है। गत सप्ताह ही उसका लोकार्पण कर पीएम काशी में पधारे हैं। काशी मंदिरों का ही शहर है। अब काशी की आभा वैश्विक मंच पर सांस्कृतिक रूप से बुलंद हो रही है। अबूधाबी में बना मंदिर भी इसका नया उदाहरण है। पीएम का दुनिया की सबसे प्राचीन सांस्कृतिक नगरी काशी में ऐसे समय में आगमन हो रहा है, इसलिए सबसे प्राचीन सांस्कृतिक नगरी में काशीवासियों की तरफ से पीएम का जोरदार अभिनंदन करता हूं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित सांसद खेलकूद, सांसद संस्कृत प्रतियोगिता, सांसद फोटोग्राफी प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण को संबोधित करते हुए कहीं। सीएम ने कहा कि काशी सर्व विद्या की राजधानी होगी। सीएम ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखते हुए काशी नए कलेवर के रूप में दुनिया के सामने आई है। कल रात्रि 11 बजे भी लोकप्रिय सांसद के रूप में सड़क पर अपने संसदीय क्षेत्र काशी में रहकर प्रधानमंत्री को आप सभी ने विकास कार्यों का अवलोकन करते हुए देखा होगा। रात्रि 11 बजे जब दुनिया सोती है, तब प्रधानमंत्री जी जगकर आपके हित में कार्य कर रहे थे। यह बताता है कि राजनेता कैसे जनमानस का विश्वास अर्जित कर सकता है। प्रधानमंत्री ने विकास के साथ काशी को नया रूप और हर तबके को मंच भी दिया है। पहली बार देश के जनप्रतिनिधियों के सामने सांसद खेलकूद, सांसद सांस्कृतिक, संस्कृत वेद व फोटोग्राफी की भी प्रतियोगिता के माध्यम से उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत किया। सीएम योगी ने कहा कि यह प्रेरणादायी अवसर है। अमूमन जनप्रतिनिधि का मतलब विकास के लिए प्रयास करना होता है, लेकिन प्रधानमंत्री का नियमित रूप से सांसद के रूप में काशी से जुड़ाव है। वे काशीवासियों के हितों के लिए कार्य करते हुए यहां की पुरातन आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा प्रदान कर रहे हैं। ऐसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से समाज के अलग-अलग तबके के लोगों को जोड़कर कार्यक्रमों को नया स्वरूप प्रदान कर रहे हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के सभागार में श्रद्धेय मालवीय जी की विरासत को याद किया जा रहा है। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, काशी विश्वनाथ न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रो. नागेंद्र पांडेय, काशी विद्वत परिषद के अध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी, प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु', रवींद्र जायसवाल, विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने काशी के समृद्धि को बताया महादेव की कृपा, कहा-10 साल में बजा है विकास का डमरू

वाराणसी। पीएम ने कहा कि काशी में जो कुछ भी हो रहा है हम सब उसके निमित्त मात्र हैं। यहां करने वाले केवल महादेव और उनके गण हैं। उन्होंने भोजपुरी में कहा, 'जहां महादेव क कृपा हो जाला उ धरती अइसे ही समृद्ध हो

जाला।' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय महादेव खूब प्रसन्न हैं, इसलिए महादेव के आशीष के साथ 10 साल में काशी में चारों ओर विकास का डमरू बजा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि आज एक बार फिर काशी के लिए करोड़ों रुपये की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास होने जा रहा है। शिवरात्रि और रंगभरी एकादशी से पहले काशी में आज विकास का उत्सव मनने जा रहा है। ये बातें पीएम मोदी ने शुक्रवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन समागार में आयोजित सांसद संस्कृत प्रतियोगिता के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कही। पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक विचार है, संस्कृत उसकी प्रमुख अभिव्यक्ति। भारत एक यात्रा है तो संस्कृत उस इतिहास यात्रा का प्रमुख अध्याय है। भारत विविधता में एकता की भूमि है तो संस्कृत उसका प्रमुख उर्वरक है। हमारे यहां कहा गया है कि 'भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा', अर्थात भारत की प्रतिष्ठा में संस्कृत की बड़ी भूमिका है। एक समय हमारे देश में संस्कृत ही वैज्ञानिक शोध, शास्त्रीय बोध, गणित और चिकित्साविज्ञान की भाषा होती थी। साथ ही संगीत और साहित्य के विविध कलाओं की विधाएं भी संस्कृत से ही पैदा हुई हैं। इन्हीं विधाओं से भारत को पहचान मिली है। जिन वेदों का पाठ काशी में होता है वही वेद पाठ कांची (तमिलनाडु) में भी सुनाई देता है। ये वेद ही भारत का शाश्वत स्वर हैं, जिन्होंने हजारों वर्ष से भारत को राष्ट्र के रूप में एक बनाए रखा है। पीएम मोदी ने कहा कि महामना के इस प्रांगण में सभी विद्वानों खासकर युवा विद्वानों के बीच आकर ज्ञान की गंगा में डुबकी लगाने जैसा अनुभव हो रहा है।

69000 शिक्षक भर्ती: अभ्यर्थियों ने भाजपा कार्यालय का घेराव कर नियुक्ति के लिए किया प्रदर्शन, पुलिस ने हटाया

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती को लेकर अभ्यर्थियों ने लखनऊ में भाजपा कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी 6800 पदों पर चयनितों को नियुक्ति की मांग कर रहे थे। इस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें कार्यालय से हटा दिया। इसके पहले, अभ्यर्थियों ने बृहस्पतिवार को उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य के आवास का घेराव किया। बता दें कि 69,000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी काफी समय से आंदोलन कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को अभ्यर्थी उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य के आवास पहुंचकर वहां धरने पर बैठ गए। अभ्यर्थी उनसे मिलना चाह रहे थे, इसे लेकर पुलिस से उनकी नोकझोंक भी हुई। अभ्यर्थियों का आरोप है कि पुलिस ने एक अभ्यर्थी को थप्पड़ मार दिया। हालांकि बाद में अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल की उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कराई गई। अभ्यर्थियों ने कहा कि उपमुख्यमंत्री ने उन्हें जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि जल्द नियुक्ति न हुई तो वह आंदोलन जारी रखेंगे।

सिपाही भर्ती पेपर लीक मामला : हजारों की संख्या में अभ्यर्थियों ने किया प्रदर्शन, दोबारा परीक्षा कराने की मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की ओर से आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा में पेपर लीक का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को हजारों अभ्यर्थियों ने लखनऊ के ईको गार्डेन में प्रदर्शन किया। उन्होंने भर्ती बोर्ड के खिलाफ नारेबाजी करते हुए फिर से परीक्षा कराने की मांग की है। प्रदर्शनस्थल पर पीएसी समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहा। इसके पहले उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के संबंध में अभ्यर्थियों से प्रमाण देने को कहा है।

इस संबंध में अभ्यर्थी प्रमाणों एवं साक्ष्यों सहित अपना प्रत्यावेदन शुक्रवार शाम छह बजे तक बोर्ड की ई-मेल आईडी पर भेज सकते हैं, जिसका परीक्षण करने के बाद अभ्यर्थियों के हित में आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक होने के दावों और अन्य त्रुटियों की जांच के लिए एडीजी/सदस्य सचिव की अध्यक्षता में आंतरिक जांच समिति का गठन भी किया जा चुका है। बोर्ड के अपर सचिव भर्ती द्वारा जारी सूचना के मुताबिक विगत 17 और 18 फरवरी को चार पालियों में हुई लिखित परीक्षा के संबंध में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म और अखबारों में कुछ प्रश्न पत्रों के संबंध में सूचनाएं वायरल होने की खबरें प्रकाशित हुई थी। इस बारे में अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न जिलों में प्रत्यावेदन प्रस्तुत किए जा रहे हैं। बोर्ड ने इस बारे में अभ्यर्थियों और सर्वसाधारण को सूचित किया है कि यदि इस विषय में वह कोई प्रत्यावेदन प्रस्तुत करना चाहते हैं, तो सुसंगत प्रमाणों एवं साक्ष्यों के साथ अपना प्रत्यावेदन जिसमें नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं आधार कार्ड अंकित हो, उसे शुक्रवार शाम तक बोर्ड को भेज सकते हैं।

बैंक लोन घोटाले में कई राज्यों में छापेमारी, पूर्व विधायक की कंपनी पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के बैंक लोन घोटाले में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में छापेमारी की। ईडी को शक है कि बैंक लोन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। ईडी ने गंगोत्री एंटरप्राइजेज नामक कंपनी से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की है। इस कंपनी के प्रमोटर यूपी के पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी, रीता तिवारी और अजीत पांडे हैं। विनय शंकर तिवारी यूपी के दिवंगत बाहुबली नेता हरिशंकर तिवारी के बेटे हैं। विनय शंकर तिवारी गोरखपुर की चिल्लुपार सीट से बसपा के टिकट पर विधायक चुने गए थे, लेकिन बाद में वे सपा में शामिल हो गए। आरोप हैं कि गंगोत्री एंटरप्राइजेज ने साल 2012-2016 के बीच कई बैंकों के कंसोर्टियम से करीब 750 करोड़ रुपये का लोन घोटाला किया। बैंकों के कंसोर्टियम का नेतृत्व बैंक ऑफ इंडिया कर रहा है। ईडी ने शुक्रवार को इस घोटाले में यूपी के लखनऊ, गोरखपुर और नोएडा में छापेमारी की। साथ ही गुजरात के अहमदबाद और हरियाणा के गुरुग्राम में भी ठिकानों पर छापेमारी की गई। गंगोत्री एंटरप्राइजेज सड़क निर्माण, टोल प्लाजा संचालन और अन्य सरकारी ठेके लेने का काम करती है। ईडी ने इस मामले में बीते साल नवंबर में करीब 72 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की थी।

संदेशखाली में बवाल, गुस्साए लोगों ने शाहजहां के ठिकाने पर लगाई आग, डीजीपी ने दी चेतावनी

कोलकाता। बीते कई दिनों से अशांत चल रहे संदेशखाली में फिर से बवाल हुआ है। दरअसल गुस्साए लोगों ने शुक्रवार सुबह भगोड़े शाहजहां शेख के ठिकानों पर आगजनी की। लोगों ने जिस जगह आगजनी की है, वह शाहजहां शेख के भाई सिराज की बताई जा रही है। बवाल की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह भीड़ को नियंत्रित किया। गुस्साए लोगों का आरोप है कि वर्षों से पुलिस ने कुछ नहीं किया, यही वजह है कि अब वे खुद अपना सम्मान और जमीन पाने के लिए सबकुछ करेंगे। भाजपा की महिला नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल आज संदेशखाली के दौरे पर है। जहां प्रतिनिधिमंडल पीड़ित महिलाओं और स्थानीय लोगों से मुलाकात करेगा। हालांकि पुलिस ने भाजपा के प्रतिनिधिमंडल को संदेशखाली जाने से रोक दिया है, जिसके चलते भाजपा नेताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी बहस हो गई। भाजपा के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भाजपा की राज्य ईकाई की महासचिव लॉकेट चटर्जी और अग्निमित्रा पॉल कर रही हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल भी आज संदेशखाली का दौरा करेगी। मानवाधिकार आयोग ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य के डीजीपी को नोटिस जारी कर संदेशखाली हिंसा पर जवाब भी मांगा था। गुरुवार को राष्ट्रीय जनजातीय आयोग के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी संदेशखाली का दौरा किया और पीड़ितों से बात की। जनजातीय आयोग की टीम का नेतृत्व आयोग के कार्यकारी उपाध्यक्ष अनंत नायक ने किया। जनजातीय आयोग को जमीन पर अवैध कब्जे और यौन शोषण की 23 शिकायतें मिली हैं। मुख्य आरोपी टीएमसी नेता शाहजहां शेख बीती 5 जनवरी से फरार है। 5 जनवरी को ईडी की टीम राशन घोटाले में उनके ठिकानों पर छापा मारने पहुंची थी, लेकिन शाहजहां शेख के समर्थकों ने ईडी की टीम पर हमला कर दिया। जिसमें ईडी की अधिकारी घायल हो गए थे। उस घटना के बाद से ही शाहजहां शेख फरार है। राशन घोटाले और ईडी की टीम पर हमले के मामलों में फंसे टीएमसी नेता शाहजहां शेख की मुश्किलें और बढ़ती जा रही हैं। दरअसल ईडी ने शाहजहां शेख के खिलाफ नया मामला दर्ज किया है। यह मामला संदेशखाली में लोगों की जमीन कब्जाने के मामले में दर्ज किया गया है। संदेशखाली के लोगों ने आरोप लगाए हैं कि शाहजहां शेख ने उनकी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है और साथ ही स्थानीय महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर यौन शोषण के भी आरोप लगाए हैं। संदेशखाली में आज हुए हंगामे के बाद डीजीपी राजीव कुमार मौके पर पहुंचे और उन्होंने हंगामा करने वाले लोगों के चेतावनी दी कि अगर कोई व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने लोगों को उनकी जमीन वापस दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ऐसे में हंगामा करने और कानून अपने हाथ में लेने की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बता दें कि शुक्रवार को संदेशखाली में लोगों की भीड़ ने टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर हमला किया और कुछ जगह आगजनी भी की।

पूर्वांचल एक्सप्रेस पर डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार, पति-पत्नी समेत तीन की मौत

कूरेभार (सुल्तानपुर)। सुल्तानपुर के स्थानीय थाना क्षेत्र कूरेभार के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर सेउर गांव के पास शुक्रवार सुबह बिहार की ओर जा रही तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के पति-पत्नी व पुत्र समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में कार पर सवार पति-पत्नी व एक अन्य महिला की मौके पर मौत हो गई। जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे कूरेभार सीएचसी से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर कूरेभार थाना क्षेत्र के सेउर गांव के पास शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे लखनऊ से बिहार की ओर जा रही तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। दुर्घटना में कार पर सवार बिहार के बिहिया आरा निवासी राम चंद्र गुप्ता (55), उनकी पत्नी माया देवी (52) पुत्र विकास (30) व आंटी चिंता देवी (55) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में राम चंद्र गुप्ता, माया देवी व चिंता देवी की मौके पर मौत हो गई जबकि विकास बच गया। दुर्घटना की जानकारी होने के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी पर पहुंचे यूपीडा कर्मी घायल विकास को सीएचसी कूरेभार ले गए। वहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

संपादकीय

संदेशखाली का संदेश

राजनीतिक संरक्षण में अपराधियों का फलना-फूलना किसी भी समाज के लिये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही है। लेकिन संगीन अपराध के मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय वास्तविक अपराधियों को दंडित करना ही प्राथमिकता होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति में आपराधिक तत्वों का बोलबाला दशकों से जारी रहा है। कभी जो दबंग लोग पश्चिम बंगाल की वामपंथी सरकार के दौरान वोट छापने व बूथ कब्जाने के लिये कुख्यात थे, अब उनके ही चोला बदलकर सत्तारूढ़ टीएमसी के कार्यकताओं के रूप में नजर आने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय निकाय चुनावों में हुई हिंसा व चुनावों में हेराफेरी इसकी बानगी बतायी जाती है। ताजा मामला पश्चिम बंगाल के उत्तर परगना जिले में स्थित संदेशखाली का है, जो आज राजनीति का अखाड़ा बना हुआ है। दरअसल, एक अनाज घोटाले में ईडी की कार्रवाई पर टीएमसी कार्यकताओं के प्रतिरोध और उसके बाद ईडी अधिकारियों पर हमले के बाद संदेशखाली में नये-नये खुलासे होते रहे हैं। हिंसा व दबंगई के लिये कुख्यात इलाके में दबंग राजनेताओं द्वारा जमीन कब्जाने और आदिवासी महिलाओं के शोषण के मामले उजागर हुए। हालांकि, सत्ता पक्ष और विपक्ष की तरफ से आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला जारी है और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण के आरोप लगाये जा रहे हैं। भाजपा की ओर से जहां महिला मुख्यमंत्री वाले राज्य में महिलाओं का शोषण करने वाले टीएमसी नेताओं को बचाने के आरोप लगाए जा रहे हैं, वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से विपक्ष पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के आरोप लगाये जा रहे हैं। कालांतर बढ़ते विवाद के बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और राष्ट्रीय महिला आयोग के प्रतिनिधि संदेशखाली का दौरा करके पीड़ितों से मिले भी हैं। निस्संदेह, इस विवाद के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, लेकिन यदि दबंग राजनेताओं द्वारा महिलाओं का सामूहिक शोषण किया जाता है तो निश्चय ही यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी मुख्य अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई न होने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई है। हालांकि, इस प्रकरण में अब तक डेढ़ दर्जन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। बहरहाल, हिंसा और दबंगई के लिये मशहूर पश्चिम बंगाल की राजनीति में संदेशखाली का विवाद लगातार विस्तार लेता प्रतीत हो रहा है। जहां तृणमूल कांग्रेस भाजपा को मामले को तूल देने के आरोप लगा रही है, वहीं भाजपा अपराधियों को बचाने के आरोप सत्तारूढ़ दल पर लगा रही है। आरोप है कि भाजपा आम चुनाव के मद्देनजर ध्रुवीकरण के प्रयासों में लगी है। बाकायदा एक बीस मिनट का वीडियो भी जारी किया गया है जिसमें महिलाएं अपनी आपबीती सुना रही हैं। क्षेत्र की महिलाएं इस मुद्दे को लेकर मुखर हो रही हैं और दोषियों को दंडित करने की मांग को लेकर एकजुट हो रही हैं। विपक्षी नेता इस आंदोलन की तुलना सिंगूर-नंदीग्राम जैसी मुहिम से कर रहे हैं, जो राज्य में सत्ता परिवर्तन की वाहक बनी थीं। सवाल उठाये जा रहे हैं कि इन महिलाओं ने पहले दबंग राजनेताओं के खिलाफ आवाज क्यों नहीं उठाई। कुछ लोगों की दलील है कि मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी के बाद वे आवाज उठाने में सक्षम हो पायी हैं। बहरहाल, राशन घोटाले, अभियुक्तों के ठिकानों पर छापे, जमीन हड़पने और सामूहिक उत्पीड़न के आरोपों के बीच संदेशखाली लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। केंद्र सरकार के बड़े नेताओं व विभिन्न आयोगों के प्रतिनिधियों के संदेशखाली जाने की बात की जा रही है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पहले ही संदेशखाली का दौरा कर चुका है। बहरहाल, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों से इतर यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में दबंगों का वर्चस्व बना हुआ है। ऐसे तत्व किसी भी दल में हों, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यहां जरूरी है कि किसी भी राज्य में किसी भी दल की सरकार हो, अपराधी बख्शे नहीं जाने चाहिए। अब चाहे मणिपुर में महिलाओं का शोषण हो या संदेशखाली सामूहिक यौन उत्पीड़न, सभी जगह पीड़ितों को न्याय दिलाने में तत्परता दिखानी चाहिए। अपराधी की न कोई राजनीतिक विचारधारा होती है और न ही कोई धर्म होता है। उसे सिर्फ अपराधी की तरह ही देखा जाना चाहिए।

पहाड़ों की पीड़ा

पहाड़ों पर बर्फबारी और हिमस्खलन से मार्ग अवरुद्ध हो जाना सर्दियों में हर वर्ष की सामान्य घटना जैसा है। मगर अब जिस तरह ये घटनाएं तबाही का सबब बन रही हैं, वह चिंता का विषय है। कश्मीर के सोनमर्ग हंग इलाके में पहाड़ से बर्फ की चट्टानें गिरने से वहां बह रहा नाला अवरुद्ध हो गया। इसके चलते नाले का पानी उफन कर सड़क पर बहना शुरू हो गया। गनीमत है कि उस तेज धार पानी में जान-माल का कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, मगर सड़क को जो क्षति पहुंची उससे लंबे समय तक लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। पिछले वर्ष इसी तरह हिमस्खलन में दो मजदूर दब कर मर गए थे। हिमाचल प्रदेश के मनाली इलाके में भी हिमस्खलन से ऐसी दुर्घटनाएं सामने आती रहती हैं। हालांकि हिमस्खलन वाले इलाकों में खतरे की चेतावनी वाली तख्तियां लगी होती हैं, फिर भी प्रशासन की मुस्तैदी और समय पूर्व दुर्घटना की चेतावनी जारी न हो पाने की वजह से दुर्घटनाएं हो ही जाती हैं। मगर पहाड़ों की पीड़ा दिन-ब-दिन इस बात से अधिक बढ़ती जा रही है कि वहां विकास के नाम पर अतार्किक निर्माण कार्य होने लगे हैं। पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए सड़कों, पुलों, होटल, मोटल, दुकानों आदि के निर्माण बड़े पैमाने पर होने लगे हैं। इससे पहाड़ों को तोड़ने, नदियों और नालों की जलधारा मोड़ने या अवरुद्ध कर देने की प्रवृत्ति भी बढ़ी है। सैलानियों को लुभाने की मंशा से बहुत सारी नदियों के किनारे और उनके भीतर तक अतिक्रमण कर खाने-पीने, मनोरंजन, यहां तक कि रुकने-ठहरने के लिए ढांचे खड़े कर लिए गए हैं। उत्तराखंड में बादल फटने की वजह से हुई तबाहियों के पीछे बड़ा कारण यही था कि खुदाई के चलते वहां के पहाड़ हिल कर भुरभुरे हो गए हैं, नदियों की जल संग्रहण क्षमता काफी घट गई है। इससे नदियों का पानी उफन कर सड़कों और रिहाइशी इलाकों में पहुंच जाता है। कश्मीर के सोनमर्ग में भी यही हुआ। हालांकि प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए समस्या पर काबू पा लिया, मगर यह इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में ऐसी दुर्घटनाएं बड़ी तबाही का कारण भी बन सकती हैं।

संदेशखाली में महिलाओं पर हुए अत्याचार को लेकर प्रियंका वाड्रा को गुस्सा क्यों नहीं आया?

डॉ. आशीष वशिष्ट

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भाजपा शासित राज्यों में महिला उत्पीड़न के मामलों को जोर शोर से उठाती हैं। प्रियंका ने यूपी के हाथरस मामले को जोर-शोर से उठाया था। 1 अक्टूबर 2020 को जब प्रियंका गांधी दिल्ली से हाथरस पीड़िता के परिवार से मिलने जा रही थीं तो पुलिस ने ग्रेटर नोएडा के पास उनका काफिला रोक दिया था। तब उन्होंने मीडिया से कहा कि उनकी भी बेटी है, इसलिए एक मां के नाते उन्हें ऐसी घटनाओं से बहुत गुस्सा आता है। प्रियंका ने उन्नाव दुष्कर्म कांड को लेकर योगी सरकार पर जमकर सवाल उठाए थे। इस मामले में उनकी सक्रियता देखते ही बनती थी। एक तो मामला भाजपा शासित राज्य का था, दूसरा आरोपों के घेरे में बीजेपी विधायक था। प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को घेरते हुए पूछा था कि, सरकार को बताना चाहिए कि वो महिलाओं के साथ है या अपराधियों के?

21 जनवरी 2022 को यूपी के बुलंदशहर जिले में एक किशोरी की हत्या का मामला सामने आया था। परिजनों का आरोप था कि किशोरी की गैंगरेप के बाद हत्या की गई। प्रियंका गांधी 3 फरवरी 2022 को यूपी के बुलंदशहर पहुंचीं, जहां उन्होंने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। 4 फरवरी, 2024 को सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर प्रियंका गांधी ने उप्र के बांदा में एक जज की मौत के मामले को उठाने में देरी नहीं की और प्रदेश सरकार पर जमकर अपनी भड़ास भी निकाली। एक जिम्मेदार नेता और नागरिक के नाते प्रियंका का महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और अत्याचार पर मुखरता काबिले तारीफ है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि प्रियंका गांधी की सारी सक्रियता भाजपा या एनडीए शासित राज्यों में ही क्यों दिखाई देती है। उन्हें क्यों भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों पर ही गुस्सा आता है? उन्हें कांग्रेस शासित और गैर भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं पर होने वाले अत्याचार उन्हें उद्वेलित और क्रोधित नहीं करते? उन्हें वहां की महिलाओं का दुख महसूस क्यों नहीं होता? गैर भाजपा शासित राज्यों में हो रहे महिला अपराधों पर वो मौन क्यों धारण कर लेती हैं? मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस के हर छोटे बड़े नेता ने प्रदेश और केंद्र की सरकार पर तीखी बयानबाजी की। सरकार को आरोपों के कटघरे में खड़ा किया। लेकिन ताज्जुब इस बात का है कि लगभग इसी समय कांग्रेस शासित राज्यों- राजस्थान, छत्तीसगढ़ और गैर भाजपा शासित राज्यों- बिहार, तेंलगाना, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल आदि में महिला उत्पीड़न के मामलों में प्रियंका गांधी ने मौन धारण करके रखा। राजस्थान में गहलोत सरकार के पांच साल के शासन में बलात्कार और महिला उत्पीड़न की घटनाओं की बाढ़-सी आ गई थी। महिला सुरक्षा में नाकाम गहलोत सरकार के कारण राजस्थान में महिलाओं के साथ हुए अत्याचार, दुराचार और बलात्कार जैसी जघन्य घटनाओं को राजस्थान कभी भूलेगा नहीं। लेकिन मजाल है कि प्रियंका के मुंह से निंदा के दो शब्द भी निकले हों। पिछले साल राजस्थान विधानसभा चुनाव में महिला सुरक्षा प्रमुख मुद्दा बनकर उभरा था।

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में

महिलाओं के साथ हुए अत्याचार की जो खबरें सामने आ रही हैं, उन्हें पढ़कर, सुनकर और देखकर आत्मा सिहर उठती है। संदेशखाली की कई हिंदू महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर पिछले कुछ वर्षों में रात-रात भर यौन उत्पीड़न और बलात्कार करने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर वायरल विभिन्न समाचार चैनलों को दिए गए साक्षात्कारों के आधार पर महिलाओं की गवाही के अनुसार, महिलाओं को अक्सर और लापरवाही से रात में उनके घरों से उठाया जाता है और टीएमसी कार्यालय ले जाया जाता है जहां गुंडों द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। उन्हें धमकी दी जाती है कि अगर उन्होंने बात नहीं मानी तो उनके पतियों को मार दिया जाएगा। जैसा कि महिलाओं ने बताया है, यह यौन उत्पीड़न की कोई आकस्मिक या भयावह घटना नहीं है, बल्कि इन महिलाओं के साथ ये अत्याचार और शोषण वर्षों से जारी था। महिलाओं का आरोप है कि स्थानीय पुलिस, प्रशासन भी उनकी बात नहीं सुनता था।

मुख्यधारा की मीडिया ने भी संदेशखाली पर व्यापक रूप से रिपोर्ट करना शुरू कर दिया है। फिर भी, किसी भी जागरूक बुद्धिजीवी और सेलिब्रिटी ब्रिगेड ने निंदा का एक शब्द प्रदेश सरकार के खिलाफ नहीं बोला है। इस अति संवेदनशील और गंभीर मुद्दे पर देश की सबसे पुरानी पार्टी के कर्णधारों प्रियंका गांधी वाड्रा और उनके भाई राहुल गांधी की चुप्पी भी उन्हें सवालों के घेरे में खड़ा करती है। राहुल गांधी तो इस वक्त भारत जोड़ों न्याय यात्रा पर हैं। वो हर छोटे-बड़े मुद्दे पर केंद्र और भाजपा शासित सरकारों को घेर रहे हैं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि संदेशखाली की पीड़ितों के लिए उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री से न्याय क्यों नहीं मांगा? संदेशखाली पर प्रियंका गांधी की चुप्पी यह साबित करती है कि उन्हें महिला सुरक्षा और बेटियों की अस्मिता से कोई खास लेना-देना नहीं है। वो महिला उत्पीड़न और अपराध के मामलों को राजनीतिक चश्मे और नफे-नुकसान के हिसाब से देखती हैं। जिस राज्य में भाजपा की सरकार हो, वहां सरकार को घेरने और बदनाम करने का कोई मौका वो छोड़ती नहीं हैं। इसके अलावा विरोध के लिए पीड़ित और अपराधी की जाति का भी ध्यान रखा जाता है। संदेशखाली में पीड़ित हिंदू दलित महिलाएं हैं और आरोपी मुस्लिम तृणमूल कांग्रेस का नेता। ऐसे में संदेशखाली में पीड़िताओं के साथ खड़े होने से कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति प्रभावित होती है। इसलिए संदेशखाली पर मुंह बंद करके बैठना कांग्रेस की राजनीति को मुफीद लगता है। पश्चिम बंगाल में स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने संदेशखाली घटना की निंदा और विरोध किया, लेकिन मामला जितना गंभीर है, उस हिसाब से कांग्रेस नेताओं की निंदा और विरोध रस्म अदायगी से ज्यादा नहीं है। वास्तव में, कांग्रेस की राजनीति मुस्लिम तुष्टिकरण के इर्द-गिर्द घूमती है। ऐसे में संदेशखाली में प्रियंका, राहुल या किसी दूसरे बड़े नेता के विरोध से मुस्लिम समुदाय में ठीक संदेश नहीं जाएगा। वोट बैंक के तुलना में नारी अस्मिता का मुद्दा कांग्रेस के लिए कोई खास अहमियत नहीं रखता। प्रियंका गांधी का गुस्सा और बयानबाजी सेलेक्टिव और राजनीति से प्रेरित होती है। नारी सम्मान और सुरक्षा की बड़ी-बड़ी बातें और पीड़ितों के लिए सहानुभूति सब कुछ विशुद्ध राजनीति से प्रेरित होता है।

किसान संगठनों ने पंजाब के आम किसानों के दीर्घकालिक हितों को दांव पर लगा दिया है

नीरज कुमार दुबे

दिल्ली चलो का आह्वान करने वाले लोग खुद को किसानों का नेता बताते हैं लेकिन सवाल उठता है कि यह आखिर कैसे नेता हैं जो किसानों का भला नहीं चाहते। सरकार ने वर्तमान आर्थिक परिदृश्यों में एक बेहतर प्रस्ताव दिया। इस प्रस्ताव को तैयार करते समय सरकार ने पंजाब के किसानों की दिक्कतों का खासतौर पर ध्यान रखा लेकिन फिर भी उसे ठुकरा दिया गया। देखा जाये तो खुद को किसान नेता कहने वाले लोगों ने सरकारी एजेंसियों द्वारा पांच साल तक दाल, मक्का और कपास की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर करने के केंद्र के प्रस्ताव को खारिज कर किसानों के हितों को बहुत बड़ा धक्का पहुँचाया है।

पहले जरा सरकार के प्रस्ताव पर नजर डालते हैं फिर आपको बताएंगे कि कैसे यह पंजाब के किसानों के हित में था। हम आपको बता दें कि किसानों के साथ चौथे दौर की बातचीत के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ जैसी सहकारी समितियां अरहर दाल, उड़द दाल, मसूर दाल या मक्का का उत्पादन करने वाले किसानों के साथ एक अनुबंध करेंगी ताकि उनकी फसल को अगले पांच साल तक एमएसपी पर खरीदा जाए। उन्होंने कहा था कि खरीद की मात्रा की कोई सीमा नहीं होगी और इसके लिए एक पोर्टल विकसित किया जाएगा। मंत्री पीयूष गोयल ने यह भी प्रस्ताव दिया था कि भारतीय कपास निगम उनके साथ कानूनी समझौता करने के बाद पांच साल तक किसानों से एमएसपी पर कपास खरीदेगा।

अब जरा समझिये यह प्रस्ताव किसानों के हित में कैसे था। दरअसल गेहूं और धान की फसलों में सर्वाधिक पानी लगता है। पंजाब उन राज्यों में शुमार होता जा रहा है जहां जल संकट धीरे-धीरे बढ़ रहा है। बड़े किसानों के पास तो फिर भी संसाधन हैं मगर एक छोटे किसान के लिए हाल के वर्षों में भूजल निकालने की लागत बढ़ गयी है इसलिए यदि यह किसान उन फसलों की ओर मुड़ते जिनमें पानी की अधिक खपत नहीं होती तो उनकी लागत कम हो जाती। सरकार चाहती है कि गेहूं और धान से अलग फसलें उगाकर किसान विविधता लायें। इसके लिए सरकार उनको पांच साल तक पूरी मदद की गारंटी भी दे रही थी। देखा जाये तो सरकार का यह प्रस्ताव पंजाब के लिए आदर्श था, जहां भूजल स्तर चिंताजनक रूप से कम हो गया है। आंकड़ों के जरिये समझायें तो आपको बता दें कि इस समय पंजाब के अधिकांश क्षेत्र में गेहूं और धान की खेती (2020-21 में 85%) होती है। पंजाब में कपास, दालों और मक्का के लिए पारिस्थितिकी तंत्र (बाजार, खरीदार, रसद, इनपुट आपूर्ति, आदि) उतना सशक्त नहीं है इसलिए सरकार किसानों को अपने समर्थन की गारंटी देना चाह रही है। अभी के संदर्भ में देखें तो मक्का 1.5%, कपास 3.2% और दालों की केवल 0.4% खेती हो रही है। यह आंकड़े दशार्ते हैं कि किसान यदि इन फसलों की ओर बढ़ते हैं तो नये बाजार खुलेंगे। साथ ही किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए निजी क्षेत्र में भी बड़े खरीददार मिलेंगे। देखा जाये तो केंद्र के प्रस्ताव को अस्वीकार करके, किसान संगठनों ने अपने अल्पकालिक हितों के लिए पंजाब के आम किसानों के दीर्घकालिक हितों को दांव पर लगा दिया है। गेहूं और धान से दूर जाने की अनुमति नहीं देकर ये यूनियनें न केवल किसानों को नए बाजार तलाशने से रोक रही हैं, बल्कि भूजल तनाव भी बढ़ा रही हैं। इस सबसे यकीनन किसानों के लिए इनपुट लागत बढ़ जाएगी। जहां तक बात इन कृषि यूनियनों की है तो हमको यह भी समझना होगा कि इनमें ज्यादातर मंडियों में काम करने वाले दलाल और आढ़ती शामिल हैं। यह लोग सिर्फ अपने भारी कमीशन को प्राथमिकता दे रहे हैं ना कि किसानों के हितों को। हम आपको बता दें कि एपीएमसी मंडियों में गेहूं और धान के व्यापार से दलाल और आढ़ती बड़ी रकम कमाते हैं। बहरहाल, कुल मिलाकर देखा जाये तो यह आंदोलन पंजाब के किसानों के हितों के लिए नहीं बल्कि बिचौलियों के कमीशन को सुरक्षित रखने के लिए चलाया जा रहा है।

बिगड़ती कानून व्यवस्था का खामियाजा पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था को उठाना पड़ रहा है

प्रह्लाद सबनानी

किसी भी देश में आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए उस देश में सामाजिक शांति बनाए रखना अति आवश्यक है। यही शर्त किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति के सम्बंध में भी लागू होती है। भारत का पश्चिम बंगाल राज्य कुछ वर्ष पूर्व तक भारत में सबसे तेज गति से आर्थिक प्रगति कर रहे राज्यों के बीच अग्रिम पंक्ति में रहता आया है। परंतु, हाल ही के वर्षों में पश्चिम बंगाल में शांति भंग होती दिखाई दे रही है, इसका प्रभाव स्पष्टतः इस राज्य के आर्थिक विकास पर भी विपरीत रूप से पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से पिछले कुछ वर्षों से पश्चिम बंगाल में सामाजिक ताना बाना छिन्न भिन्न होता दिखाई दे रहा है। पूरे राज्य में अराजकता का माहौल बन गया है, विशेष रूप से सनातन संस्कृति का पालन करने वाले बंगाल के शांति प्रिय नागरिकों पर असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार हमले किए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर हाल ही के समय में पश्चिम बंगाल के कई क्षेत्रों जैसे संदेशखाली इलाके में महिलाओं पर अत्याचार आम बात हो गई है।

संदेशखाली, पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले का एक छोटा कस्बा है। यह बांग्लादेश की सीमा से सटा सीमावर्ती क्षेत्र भी है, जहां हिंदू अनुसूचित जातियों की आबादी बहुलता में है। संदेशखाली, पश्चिम बंगाल की उन 14 विधानसभा की सीटों में शामिल हैं जोकि भारत बांग्लादेश सीमा से सटीं हुई हैं। दुर्भाग्य से संदेशखाली सहित यह सभी विधानसभा सीटें अतिवादी संगठनों द्वारा समर्थित सुनियोजित षड्यंत्र का एक हिस्सा बन गई हैं। इन 14 सीमावर्ती विधान सभा क्षेत्रों में बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ उल्लेखनीय रूप से बढ़ रही है। यहां की जनसांख्यिकी बदलने की साजिश का षड्यंत्र भी उच्च स्तर पर हो रहा है। वास्तव में, यह क्षेत्र पाकिस्तानी खुफिया एजेन्सी ककी आतंकी गतिविधियों के अलावा तमाम आपराधिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में भी विकसित हो रहा है। कुछ समय पहले तक संदेशखाली में मुस्लिम जनसंख्या नहीं के बराबर थी, लेकिन अवैध घुसपैठ के चलते यहां असामाजिक तत्वों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह इलाका जनसांख्यिकी परिवर्तन की चपेट में आ गया है। इसमें सबसे बड़ी आबादी अब रोहिंगियाई मुसलमानों की हो गई है।

गौर करने वाली बात है कि विगत चुनावों के दौरान घटित सभी आपराधिक घटनाओं में अधिकतर अपराधी असामाजिक तत्व मुस्लमान ही पाए गए थे। यह मामले गौ-तस्करी से लेकर मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियारों की तस्करी से जुड़े रहे हैं। इस तरह के सभी गैरकानूनी मामलों में मुस्लिम ही अभियुक्त पाए जाते हैं। संदेशखाली में जो कुछ सामने आया है अथवा आ रहा है, यह कोई पहली बार घटित हुई वारदातें नहीं है। हिंदू महिलाओं के साथ गैंग रेप की एक नहीं बल्कि सैंकड़ों घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जिसके खिलाफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकताओं ने जब भी आवाज उठायी है तो परिणाम में उन्हें ही निशाना बनाना शुरू कर दिया गया है। न सिर्फ संघ के कार्यकताओं की हत्या की गई है बल्कि उनके घरों को भी जला दिया गया है। इस क्षेत्र में हिंदू अनुसूचित जाति की महिलाओं एवं नाबालिग लड़कियों को इस इलाके के दबंग घुसपैठिए अपनी हवस का शिकार बनाने के उद्देश्य से जबरन उठा ले जाते हैं। इस क्षेत्र में तस्करी, मादक पदार्थ, हथियार, गोमांस आदि अपराधों में संलिप्त शेख शहंशाह जैसे मुस्लिम दबंगों का बोलबाला है। हाल ही में शेख शहंशाह के ठिकानों पर छापेमारी के लिए गई प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर उसके गुर्गों द्वारा हिंसक हमला भी किया गया था। इस हमले में एऊ के कई अधिकारी गम्भीर रूप से घायल हुए थे । इस इलाके में नौकरी/रोजगार, विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ देने की आड़ में भी अनेक महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया है।

पश्चिम बंगाल के विशेष इलाके संदेशखाली में घटित उक्त घटनाओं का वर्णन केवल उदाहरण के तौर पर किया गया है। वरना, पूरे पश्चिम बंगाल में ही आज अराजकता का माहौल है जो पश्चिम बंगाल की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप में प्रभावित कर रहा है। लगभग 1960 के दशक तक पश्चिमी बंगाल की औसत प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रति व्यक्ति आय से अधिक हुआ करती थी। पश्चिम बंगाल, भारत के प्रथम तीन सबसे अधिक धनी राज्यों में शामिल था। पहले दो राज्य थे- महाराष्ट्र एवं गुजरात। 1980 का दशक आते आते पश्चिम बंगाल की औसत प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रति व्यक्ति आय के लगभग बराबर तक नीचे आ गई थी। 1990 के दशक में राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रति व्यक्ति आय पश्चिम बंगाल की तुलना में तेज गति से आगे बढ़ने लगी और पश्चिम बंगाल का स्थान देश में 7वें स्थान पर आ गया। वर्ष 2000 में और भी नीचे गिरकर 10वें स्थान पर आ गया एवं वर्ष 2011 में यह 11वें स्थान पर आ गया। यह गिरावट आज भी जारी है और आज पश्चिम बंगाल औसत प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश में 14वें स्थान पर आ गया है। इसी प्रकार, वर्ष 1993-94 एवं 1999-2000 के बीच पश्चिम बंगाल में औसत प्रति व्यक्ति आय में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि अर्जित की गई थी जबकि भारत का राष्ट्रीय स्तर पर यह औसत 4.6 प्रतिशत था। अगली दशाब्दी में पश्चिम बंगाल में औसत प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर गिरकर 4.9 प्रतिशत रह गई जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह औसत बढ़कर 5.5 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2011-12 से लेकर वर्ष 2019-20 के दौरान पश्चिम बंगाल में औसत प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर और भी नीचे गिरकर 4.2 प्रतिशत हो गई जबकि राष्ट्रीय स्तर पर औसत 5.2 प्रतिशत रहा। इस प्रकार पश्चिम बंगाल एवं राष्ट्रीय स्तर पर औसत प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर में यह अंतर और भी बढ़ता ही जा रहा है। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि 1990 के दशक में पश्चिम बंगाल में विकास दर राष्ट्रीय स्तर पर औसत विकास दर से अधिक थी। परंतु, वामपंथी दलों के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में विकास दर राष्ट्रीय औसत से कम हो गई थी। पश्चिम बंगाल पर स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से लगातार कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस का शासन रहा है। विशेष रूप से वामपंथी दलों एवं तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल के दौरान पश्चिम बंगाल की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होती रही है। वर्ष 2022 में पश्चिम बंगाल में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 157,254 रुपए था जबकि विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए अनुमानों के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का राष्ट्रीय औसत 2411 अमेरिकी डॉलर था। यदि 80 रुपए प्रति डॉलर की दर पर अमेरिकी डॉलर को रुपए में बदला जाए तो यह राशि लगभग 164,000 रुपए प्रति व्यक्ति रहती है, जो पश्चिम बंगाल में प्रति व्यक्ति औसत से कहीं अधिक है। जबकि पश्चिम बंगाल किसी समय पर भारत के समस्त राज्यों के बीच सबसे तेज गति से आर्थिक प्रगति करता हुआ राज्य रहा है। यह देश की आर्थिक राजधानी भी माना जाता रहा है।

आरोप : भू माफियाओं ने क्षत्रिय परिवार के मकान समेत सामानों को किया गायब

प्रखर जौनपुर। खेतासराय थाना क्षेत्र के ग्राम डोभी में भू माफियाओं ने एक क्षत्रिय परिवार के मकान व उसमें रखा सामान गायब करने का मामला प्रकाश में आया है। न्याय के लिए क्षत्रिय परिवार की यह महिला उच्च अधिकारियों के यहां प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगा रही है लेकिन अभी तक कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं हुई। उक्त गांव निवासिनी अंजली सिंह पत्नी सुरजीत सिंह अपने बच्चों को पढ़ने के लिए गांव से शहर में आकर रहने लगी।आरोप है उसी गांव के सुभाष चंद्र अस्थान निवासी वार्ड नंबर एक सरवरपुर ने महिला के पति से लगभग 4 साल पहले मकान व कुछ जमीन का हिस्सा बिना कब्जा दखल का मुआहिदा कर लिया जिसमें दो लाख देकर बैनामा करा लेने की बात लिखी गई थी। 11 अगस्त 2023 को महिला को पता लगा कि विपक्षी अपने साथियों के साथ उसके घर में रखा सारा सामान गायब कर पूरे मकान को ही गायब कर दिया है। जिसमें टीवी समेत अन्य घरेलू सामान भी रखा था। अब तक रुपए और आभूषणों की लूट का मामला तो सुना गया था लेकिन शायद यह जिले का निराला मामला होगा कि जमीन से मकान ही गायब कर दिया गया हो। इतना ही नहीं दबंगों ने अवैध ढंग से निर्माण भी शुरू कर दिया। महिला द्वारा जब इस घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई तो उस समय थाना अध्यक्ष रहे चंदन राय ने अवैध ढंग से हो रहे निर्माण को रोक दिया था लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। सिर्फ 107/16 में चालान कर दिया था। महिला ने इस संबंध में शांति भूषण, शशि भूषण पुत्रगण रामकृष्ण निवासी डोभी वार्ड नंबर पांच के खिलाफ तहरीर दिया था लेकिन पुलिस ने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं किया।

पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने एतिहासिक पद यात्रा निकालकर किया शक्ति प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा, उ0प्र0 राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राम लाल यादव के आवाह्न पर शुक्रवार को कर्मचारी, शिक्षको ने विकास भवन से एकजुट होकर पदयात्रा निकाला जो सिचाई चौराहा होते हुए सरजू पाण्डेय पार्क पहुंचा। मांग का ज्ञापन तहसीलदार को सौपा। आन्दोलन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष बालेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने किया। महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुनीता यादव ने कहा कि आगामी लोक सभा चुनाव से पहले प्रदेश मे पुरानी पेंशन बहाल नही किया गया तो इसका परिणाम गभीर भुगतना पड़ेगा। इस मौके पर जे0पी0 यादव नगीना यादव अजय, आलोक चौबे, पूर्णिया, बीरेन्द्र कुमार, अजीत कुमार, गोरख कुमार यादव, अजय कुमार यादव, दिलीप दूबे, हंसराज, अनिल कुमार यादव, राम प्रकाश यादव, सूरज कुमार, मणी त्रिपाठी, रितेश सिह, संजय दुबे, अमरदेव, राकेश कुमार, विशाल कुमार, अभय सिह, रोशन लाल आदि। सभा की अध्यक्षता महासंघ के जिलाध्यक्ष बालेन्द्र कुमार त्रिपाठी संचालन पकज यादव ने किया।

सहकारी समिति के अध्यक्ष पद पर वीरेन्द्र सिंह व उप सभापति पद पर आलोक सिंह निर्विरोध निर्वाचित

रतसर (बलिया)। नूरपुर साधन सहकारी समिति पर बृहस्पतिवार को गहमागहमी के बीच अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव संपन्न हो गया। संचालन समिति के सदस्यों ने नए अध्यक्ष को चयनित किया। आपसी सामंजस्य के आधार पर समिति पर चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हो गया। जीत के बाद समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। अध्यक्ष पद पर वीरेन्द्र सिंह और उप सभापति पद पर आलोक कुमार सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्वाचन अधिकारी आशुतोष पाण्डेय की देखरेख में चुनाव संपन्न हुआ। इस मौके पर उपेन्द्र नाथ पाण्डेय,अनिल सिंह,उमेश सिंह,हरिहर गोंड,नागेन्द्र यादव,रविन्द्र मौर्या, शिवजी सिंह,ओम प्रकाश सिंह,सुनील सिंह, अरूण कुमार पाण्डेय,वीरेन्द्र राय,विमलावती देवी,विजय सिंह मौजूद रहे।

कन्नौजिया महासभा ने धूमधाम से मनाई संत बाबा खड़गे की जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को कन्नौजिया महासभा गाजीपुर के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष बब्बन कन्नौजिया की अध्यक्षता में माधव सरस्वती शिशु मंदिर प्रकाश नगर मे संत बाबा गाडगे की जंयती मनायी गयी। इस कार्यक्रम में कन्नौजिया समाज के सैकड़ों लोगों ने शिरकत करते हुए संत गाडगे बाबा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताये रास्ते पर चलकर समाज की सेवा करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष बब्बन कन्नौजिया ने संत गाडगे महाराज को महान समाज सुधारक बताते हुए कहा कि आज देश को सही रास्ता दिखाने के लिए संत गाडगे जैसे महान संतों की जरूरत है । उन्होंने भीख मांगकर तमाम विद्यालयों एवं धर्मशालाओं एंव अस्पतालों का निर्माण कराया लेकिन खुद ताउम्र सड़क की पटरियों और पेड़ों के नीचे रहकर अपनी जिंदगी गुजार दी । उन्होंने इतना ही नहीं उन्होंनेअपने पूरे जीवन में कुछ ई अनाथालय, रैन बसेरा और नदियों और तालाबों के किनारे पक्के घाटों का निर्माण कराया । वह जिस रास्ते पर चलते थे उसे साफ करते हुए चलते थे इसीलिए उनको स्वच्छता आंदोलन के जनक के रूप में भी याद किया जाता है । उन्होंने आजीवन अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि वह बाह्य आडम्बर के घोर विरोधी थे । उनके अन्दर परोपकार की भावना कूट-कूट कर भरी थी । जुल्म और ज्यादती उन्हें पसन्द नहीं थी ,वह हमेशा अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करते रहे । इस समारोह में मुख्य रूप से किशोरी लाल,वंशीधर राम,आजाद कन्नौजिया, सदानंद कन्नौजिया, रामकली,अक्षय लाल, मिश्री लाल, रामनाथ, राहुल कन्नौजिया, डॉ संजय कन्नौजिया, निशा कन्नौजिया, गिरधर लाल दिनकर, कुंदन कन्नौजिया, संतोष कन्नौजिया आदि शामिल थे। इस कार्यक्रम का संचालन सिकंदर कन्नौजिया ने किया।

समाजवादी छात्र सभा ने आरओ एआरओ परीक्षा को निरस्त कर दोबारा कराने के लिए दिया ज्ञापन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर समाजवादी पार्टी के युथ फ्रन्टल समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओ ने जिलाध्यक्ष अभिषेक कुशवाहा के नेतृत्व में आरओ, एआरओ, यूपीपी परीक्षा में पेपर लीक होने के चलते इस परीक्षा को निरस्त कर दुबारा परीक्षा कराने की मांग के साथ महामहिम राज्यपाल के नाम से संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी गाजीपुर को सौंपा। ज्ञापन देने के पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बेरोजगार छात्र नौजवानों को लगातार ठगने का काम कर रही है। भाजपा की केन्द्र सरकार प्रतिवर्ष दो करोड़ नौजवानों को रोजगार देने का वादा कर सत्ता में आयी थी लेकिन वादे के मुताबिक नौजवानों द्वारा नौकरी मांगने पर मोदी जी द्वारा नौजवानों को पकौड़ा बेचने की सलाह दे कर उन्हें अपमानित करने का काम किया जा रहा है।आज तक प्रदेश की योगी सरकार कोई भी प्रतियोगी परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न नहीं करा पायी है। हर प्रतियोगी परीक्षा का योगी सरकार बतौर साजिश पेपर लीक कराकर नौजवानों को छलने का काम कर रही है । प्रतियोगी परीक्षाओं को योगी सरकार ने पैसा कमाने का कारोबार बना दिया है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक कराने वालों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। आज तक पेपरलीक कराने वालों पर कोई निर्णायक कार्यवाही नहीं हुई है। इसके अलावा समय समय पर नौकरी मांगने पर योगी सरकार द्वारा छात्र नौजवानों पर लाठियां भांजने का भी काम किया जाता है। भाजपा सरकार की इस नाकामी और और साजिश के चलते इस देश और प्रदेश का नौजवान काफी गुस्से में हैं। भाजपा सरकार ने देश के लाखों करोड़ो छात्र नौजवानों का विश्वास खो दिया है इस देश का दुखी नौजवान भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने का काम करेगा। उन्होंने कोई भी प्रतियोगी परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न न करा पाने के लिए योगी जी से नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र देने की भी मांग किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ नन्हकू यादव, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव संदीप यादव, डॉ समीर सिंह, जिला पंचायत सदस्य रणजीत यादव, मनीश्वर यादव, सदानन्द यादव, राजेश कुमार यादव, कुमार यादव, जितेन्द्र कुमार यादव, आशीष यादव, शैलेश चौहान, विवेक यादव आदि उपस्थित रहे।

ज़िलाधिकारी ने की पोषण मिशन के कार्यों की समीक्षा

बलिया। राज्य पोषण मिशन के अंतर्गत जिला पोषण समिति/ अभिसरण समिति की बैठक जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इसमें आईसीडीएस के शून्य से पांच वर्ष के बच्चों को पोषाहार वितरण एवं विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने के सम्बंध में, पोषण ट्रैकर पर होम विजिट परियोजना की स्थिति, पोषण ट्रैकर पर 0 से 6 वर्ष के बच्चों के सापेक्ष मापन क्षमता की स्थिति, एसएनबी और पोषण ट्रैकर पर आधार वेरीफिकेशन परियोजना की स्थिति आदि की बिंदुवार समीक्षा की गई। प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी (सीडीपीओ) ने बताया कि जनवरी तक का ड्राई राशन अभी प्राप्त नहीं हुआ है। जिले में 17 लर्निंग लैब कंप्लीट हो चुके हैं, 75 और लर्निंग लैब बनाने का आदेश शासन स्तर से प्राप्त हुआ है। लाभार्थियों का मोबाइल वेरीफिकेशन, आधार सत्यापन और आंगनबाड़ी केंद्रों की मैपिंग कार्य पूरा हो चुका है। पोषण ट्रैकर पर sam, mam और अति कुपोषित बच्चों की संख्या के मामले में जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ को निर्देश दिया कि अपने ब्लॉक के आंगनवाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या, कितने बच्चे कुपोषण से बाहर आए इसकी संख्या और प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को अपने आंगनबाड़ी केंद्र के कम से कम एक बच्चे को गोद लेते हुए महीने भर में उसे कुपोषण से बाहर निकालने की पूरी रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। कहा कि अगर इसमें भी लापरवाही मिली तो संबंधित सीडीपीओ, मुख्य सेविका और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकतर मानकों पर पिछड़ने के कारण बैरिया और मुरलीछपरा के सीडीपीओ को विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी प्रकार जिलाधिकारी द्वारा vhsnd,ngd कोड और आंगनबाड़ी केंद्र संचालन की भी समीक्षा की गई।

सूचना प्रौद्योगिकी का सम्यक उपयोग ही स्वर्णिम भविष्य का आधार : डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पीजी कालेज गाजीपुर में विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत कुशलपाल सभागार में छात्र-छात्राओं के लिए स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय थे। इस दौरान प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय का उद्बोधन हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सूचना क्रांति से सुदूर इलाके के छात्र -छात्राऐं अंतरराष्ट्रीय स्तर की ई-लाइब्रेरी से जुड़ कर ज्ञान अर्जित कर सकते है। हर विषय पर असीमित ज्ञान अर्जित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी मददगार साबित हो रही है। सूचना प्रौद्योगिकी का सम्यक उपयोग स्वर्णिम भविष्य का आधार हैं। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं को मोबाइल वितरित किया गया। बी०एस-सी० जीवविज्ञान एवं गणित वर्ग के छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के महत्वाकांक्षी योजना में से एक विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत पठन-पाठन के लिए विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के अन्तर्गत सैमसंग कम्पनी के स्मार्टफोन का वितरण हुआ।कार्यक्रम के दौरान 439 छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया।

इस मौके पर मुख्य नियंता प्रोफेसर डॉ० एस०डी० सिंह परिहार, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रोफेसर डॉ० एस० एन० सिंह के साथ ही डॉ० राम दुलारे, डॉ० योगेश कुमार, डॉ० हरेन्द्र सिंह, डॉ० प्रशान्त कुमार सिंह, डॉ० अंजनी कुमार गौतम, डॉ० अशोक कुमार, डॉ० पंकज यादव, डॉ० पियुष कान्त सिंह, डॉ० संतोष कुमार सिंह, डॉ० नितीश कुमार, डॉ० अजय कुमार श्रीवास्तव आदि के साथ संजय कुमार श्रीवास्तव, घनश्याम, प्रमोद कुमार, उमाशंकर, कृष्ण मुरारी, सुनील, नीरज सिंह, शिवम, शक्ति, सुनील कुमार, अरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

यूपी बोर्ड के पहले ही दिन अनेकों छात्रों ने छोड़ी परीक्षा

प्रखर जखनिया गाजीपुर। यूपी बोर्ड की परीक्षा के पहले दिन हाई स्कूल हिंदी प्रथम पाली में श्रीमती चंदा देवी ढाढनिया आदर्श इंटर कॉलेज फूलपुर में पंजीकृत 431 छात्रों में 99 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी तथा द्वितीय पाली के हिंदी व सामान्य हिंदी के 536 में में 58 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी ,तथा श्री मुन्नर इंटर कॉलेज सदर जहांपुर में प्रथम पाली में 553 में 34 परीक्षार्थी छोड़ें ,व द्वितीय पाली में 502 में 23 में परीक्षा छोड़ी। तथा स्वर्गीय राम नगीना इंटर कॉलेज अलीपुर मदरा में प्रथम पाली में 495 में 78 प्रशिक्षार्थीयों ने परीक्षा छोड़ दी। सेक्टर मजिस्ट्रेट संजय कुमार गुप्ता ने क्षेत्र के मां शारदा इंटर कॉलेज जलालाबाद , जय सतगुरुदेव जनता इंटर कॉलेज दुल्लहपुर व मां शारदा चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल जलालाबाद, व संत बुला इंटर कॉलेज अमारी पं मदन मोहन मालवीय इ०का०सिखड़ी के परीक्षा केन्द्रो पर औचक निरीक्षण के दौरान बताया कि परीक्षा केन्द्रो पर सीसी कैमरा के साथ ही परीक्षाएं सुचारू रूप से चल रही थी।

खंड विकास अधिकारी ने परखी गौआश्रय की बारिकी

प्रखर जखनिया गाजीपुर। क्षेत्र के जलालाबाद व टणवा टप्पा में बन रहे गौ आश्रय का औचक निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गुप्ता ने बारीकी से परखा कहा गो आश्रय को मानक के अनुसार ही बनावे। इन्होंने बताया कि शासन द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थलों में बेजुबान घूम रहे जानवरों के लिए यह गो आश्रय बनाने हैं, मानक की कमी पाई जाने पर संबंधित ग्राम प्रधान व सचिव को बक्सा नहीं जाएगा। यह अभी बताया कि क्षेत्र में घूम रहे इन बेजुबान जानवरों को पड़कर कल्चर गाड़ी से नजदीकी गो आश्रय भेजा जा रहा है। जहां पर इन जानवरों को भूसा, चारा व देख देख की व्यवस्था की गई है। जहां तीन टीन शेड की कमी है वहां पर टीन सेड भी बढ़वाए जा रहे हैं ।

सिंधौरा थाना में लावारिस वाहन होंगे नीलाम

प्रखर वाराणसी। सिंधौरा थाना में जांच के दौरान पकड़े गए लावारिस वाहनों की नीलामी 24 फरवरी को होनी सुनिश्चित हुई है। थाना प्रभारी अखिलेश वर्मा के अनुसार सिंधौरा थाना अंतर्गत लावारिस दो पहिया वाहनों जिनकी कुल संख्या 3 है की नीलामी सर्व सहमति से की जा रही है । जिसमें इच्छुक व्यक्ति स्वेच्छा से सहभाग कर सकता है।

प्रदेश किसान महासभा ने मौधिया में फूका गृहमंत्री का पुतला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय वहां पर उत्तर प्रदेश किसान सभा के नेतृत्व में मौधिया गाजीपुर के बाजार में अमित शाह, मनोहर लाल खट्टर, गृह मंत्री का पुतला दहन कर कर तानाशाही बंद करो किसान का दमन करना बंद करो शहिद किसान को एक करोड़ रूपया मुआवजा एक सरकारी नौकरी देने की मांग की गई। वहीं सरकार जब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी किसानों के ऊपर लड़े गए मुकदमे को खत्म करने बिजली के निजीकरण बंद करो आदि सवालों को लेकर 20-25 की संख्या में झंडा बैनर लिए कार्यकर्ता पूरी बाजार में मार्च निकालकर क्षेत्र की जनता को राष्ट्रीय आंदोलन और किसने की समस्या से अवगत कराते हुए शर्म के चार कानून खत्म करने, मनरेगा में 200 दिन काम 600 दिन की मजदूरी, आवास, शौचालय, अंत्योदय कार्ड, आयुष्मान कार्ड, फ्री बिजली, प्रति परिवार को 10 किलो राशन, वही लूट भ्रष्टाचार बंद करो देश में कानून व्यवस्था संविधान को सुरक्षित करो। किसान सभा मंत्री कामरेड जोगिंदर यादव, विजय बहादुर सिंह, बिरेन्दर कुमार गौतम जिला मंत्री, अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन गाजीपुर सुरेंद्र राम राम, अवध मास्टर, बिनोद यादव, हरीनाथ यादव , राजेंद्र राजभर, शिवचरन कुशवाहा, शिवबचन कुशवाहा, हरीनाथ राजभर, नारायन चौहान आदि उपस्थित रहे।

ईलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा, लगाया गंभीर आरोप

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के रौजा ओवरब्रिज के पास अमन हास्पिटल में ईलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। इस मामले की जानकारी होतें ही परिजनों ने हंगामा खड़ा कर दिया। मौत की जानकारी होतें ही कोतवाली प्रभारी दीनदयाल पांडेय मौके फोर्स के पंहुचे। बताया जा रहा है कि कुसुम देवी 40 पत्नी इन्द्रजीत कुमार पाशवान निवासी रामपुर बलभद्र कोतवाली भुड़कुडा। इन्द्रजीत अपनी पत्नी का ईलाज कराने अमन सर्जिकल सेन्टर रौजा ओवरब्रिज के पास गुरुवार को लेकर आऐ थें। गुरुवार की देर रात कुसुम की तबियत खराब होने डाक्टर को बुलाया गया लेकिन वह नहीं आ सकें। शुक्रवार की सुबह परिजनों ने जहाँ अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया वही जांच की मांग करने लगे। मृतक के चार के चार बच्चों में तीन लड़की एक बालक है। कोतवाली प्रभारी दीनदयाल पांडेय ने बताया कि दोनों पछो में समझोता हो गया है। इस मामले मे मुख्य चिकित्सा अधिकारी देश दिपक पाल ने बताया कि मामले की मुझे जानकारी नहीं है। अभी जांच टीम भेजकर मामले की जांचकर कार्रवाई की जाएगी।

सांस से अल्कोहल, अस्थमा व मधुमेह जांचने वाला

मेक इन इंडिया सांस सेंसर

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारतीय रिसर्चर्स ने पहला मेक इन इंडिया मानव सांस सेंसर विकसित किया है। इस डिवाइस का प्राथमिक कार्य शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामलों में सांस में अल्कोहल की मात्रा को मापना है। हालांकि सेंसिंग परतों में कुछ बदलाव से यह डिवाइस अस्थमा, मधुमेह केटोएसिडोसिस, पल्मोनरी रोग, स्लीप एपनिया और कार्डियक अरेस्ट जैसी बीमारियों के लक्षण वर्णन के लिए भी बहुत उपयोगी हो सकता है। इससे व्यक्ति की सांस में वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की निगरानी की जाती है। यह रिसर्च आईआईटी जोधपुर के शोधकर्ताओं ने की है। उनकी यह डिवाइस कमरे के तापमान पर काम करने वाले मेटल ऑक्साइड और नैनो सिलिकॉन पर आधारित है। आईआईटी का कहना है कि मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण पर वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में बढ़ती चिंताओं को देखते हुए, एक त्वरित, किफायती, चीरफाड़हीन स्वास्थ्य निगरानी उपकरण के विकास की अधिक आवश्यकता थी। मौजूदा सेंसर, ईंधन सेल-आधारित तकनीक पर आधारित हैं। इसलिए इसने शोधकर्ताओं को इस दिशा में काम करने और एक श्वास वीओसी सेंसर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। इसकी लागत मौजूदा ईंधन सेल प्रौद्योगिकी-आधारित डिवाइस से कम है। इसी तरह, टीम ने आंशिक रूप से कम ग्राफीन ऑक्साइड पर आधारित एक श्वास निगरानी सेंसर विकसित किया है।

यह शोध पीएचडी छात्र निखिल वडेरा द्वारा की गई है। इसे आईईई सेंसर्स लेटर्स में प्रकाशित किया गया है। इसी तरह की इलेक्ट्रॉनिक नाक का उपयोग श्वास बायोमार्कर (जैव मार्कर) का पता लगाने और माप के लिए किया जा सकता है। वीओसी कार्बनिक रसायनों का एक विविध समूह है, जो हवा में वाष्पित हो सकता है और आमतौर पर विभिन्न उत्पादों और वातावरणों में पाए जाते हैं। वर्तमान श्वास विश्लेषक या तो भारी हैं, या लंबे समय तक तैयारी के समय एवं हीटर की आवश्यकता होती है। इससे डिवाइस की बिजली खपत बढ़ जाती है और लंबा इंतजार करना पड़ता है। नया विकसित सेंसर कमरे के तापमान पर काम करता है और प्लग एंड प्ले की तरह है। सेंसर नमूने अल्कोहल के साथ प्रतिक्रिया करते हैं और प्रतिरोध में बदलाव दर्शाते हैं। यह परिवर्तन नमूने में अल्कोहल की सांद्रता के समानुपाती होता है। इसके अलावा, इस सेंसर सारणी से एकत्र किए गए आंकड़ों को सांस के विभिन्न घटकों के पैटर्न की पहचान करने और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के मिश्रण से अल्कोहल को अलग करने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके संसाधित किया जाता है।

अनुसंधान को जैव प्रौद्योगिकी इग्निशन अनुदान योजना जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया था। शोध के भविष्य के दायरे के बारे में बात करते हुए, डॉ. साक्षी धानेकर ने कहा, इस दिशा में निरंतर अनुसंधान और विकास से स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण से लेकर पहनने योग्य प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों तक विभिन्न क्षेत्रों में सांस निदान के व्यावहारिक कार्यान्वयन को बढ़ावा मिल सकता है। सेंसर के आउटपुट को रास्पबेरी पाई से जोड़ा जा सकता है और आंकडों को चिकित्सक के पास भी फोन द्वारा भेजा जा सकता है। उन्होंने बताया कि हमारा स्टार्ट अप 'सेंसकृति टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' समाज के लाभ के लिए इनोवेशन करता है। टीम अनुसंधान में चुनौती को एक अवसर के रूप में देखती है और रचनात्मकता, दृढता और असाधारण टीम वर्क, इन तीन साधनों का उपयोग करके इसे हल करती है।

यह डिवाइस कमरे के तापमान पर काम करने वाले मेटल ऑक्साइड और नैनो सिलिकॉन पर आधारित है। आईआईटी का कहना है कि मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण पर वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में बढ़ती चिंताओं को देखते हुए, एक त्वरित, किफायती, चीरफाड़हीन स्वास्थ्य निगरानी उपकरण के विकास की अधिक आवश्यकता थी।

प्रदीप पांडेय चिंटू ने किए रामलला के दर्शन

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू ने अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की भव्य प्रतिमा के दर्शन किए। उन्होंने अपने पिता निर्माता-निर्देशक राजकुमार आर पांडेय के साथ राम लला के दर्शन किए और सबों के कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि राम हम सब के मन है। कण कण में है। उनकी कृपा से हमारी इंडस्ट्री और बढ़े, यही कामना है। चिंटू की फिल्म आंखें जल्द ही देश की 4 भाषाओं में रिलीज होने को तैयार है।संकट मोचन फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म आंखें में प्रदीप पांडेय चिंटू, यामिनी सिंह और आस्था सिंह मुख्य भूमिका में है।

विभूति और अंगूरी भाभी को लगी पान खाने की लत

मुंबई,(आईएएनएस)। सिटकॉम 'भाबीजी घर पर हैं' में एक दिलचस्प मोड़ आने वाला है। विभूति नारायण मिश्रा (आसिफ शेख) और अंगूरी भाभी (शुभांगी अत्रे) को 'पान' खाने की लत लग गई है, जिसके बारे में कॉलोनी में सबको पता चल जाता है। सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान कलाकारों को अपना मुंह लाल रखना पड़ता था और ऐसा करने के लिए वे तरह-तरह के पान खाते रहते थे। ऐसे में सेट पर सभी पान पार्टी का मजा लेते थे। 'पान खाएं सइयां' ट्रैक के बारे में विभूति नारायण मिश्रा का किरदार निभाने वाले आसिफ ने कहा, हमारे आगामी ट्रैक में विभूति को पान खाने की लत लग जाती है, अंगूरी भी इसमें शामिल हो जाती है, जिससे उनके साथी अनीता (विदिशा श्रीवास्तव) और तिवारी (रोहिताश्व गौड़) काफी नाराज होते हैं। इससे मॉडर्न कॉलोनी के लोग भी नाराज होते हैं। आसिफ ने कहा कि इस सीक्वेंस की शूटिंग एक धमाकेदार अनुभव था। शुभांगी और मैंने अपने किरदारों में ढलने के लिए खूब पान खाया।

द रेज रूम के संस्थापक ने बताया, कैसे गुस्से को करें काबू

मुंबई (आईएएनएस)। 'शार्क टैंक इंडिया' सीजन 3 के नए एपिसोड में 'द रेज रूम' के संस्थापक सूरज पुसरला ने बताया कि कोई कैसे अपने गुस्से पर काबू पा सकता है।उन्होंने सभी से कहा कि आप चीजों को तोड़कर अपना स्ट्रेस दूर कर सकते हैं। हैदराबाद से आए सूरज ने अपने ब्रांड में 30 प्रतिशत इक्विटी के बदले में 20 लाख रुपये मांगे। हैदराबाद के रहने वाले सूरज ने अक्टूबर 2022 में 'द रेज रूम' की शुरुआत की थी। उन्हें इसकी प्रेरणा बचपन के दौरान आने वाले गुस्से से मिली। 'द रेज रूम' ने बताया कि इससे आप एक सुरक्षित, और नियंत्रित वातावरण में अपना गुस्से पर काबू पा सकते हैं, जिसके बाद लोग अधिक सहज और तरोताजा महसूस कर सकते हैं। उन्होंने इसके बारे में अनोखे ढँग से बताया और अपने ब्रांड में 30 प्रतिशत इक्विटी के बदले में 20 लाख रुपये की मांग की। शादीडॉटकॉम के संस्थापक और सीईओ अनुपम मित्तल ने कहा : ओह! यह रेज रूम है। मैं समझ गया। सूरज ने कहा : शार्क, क्या आप भी गुस्से से भर जाते हैं? अनुपम ने अश्नीर ग्रोवर पर मजाक करते हुए कहा, जिस शार्क को गुस्सा आता था वो तो गया। बोट के सह-संस्थापक और सीएमओ अमन गुप्ता ने कहा, हमारी दिल्ली में तो बहुत ज़रूरी है। हालांकि, 'द रेज रूम' शो में डील हासिल करने में विफल रहा। उसी के बारे में बात करते हुए सूरज ने कहा, शार्क टैंक डील नहीं हो सकी। इसके बावजूद अनुभव बेहतर रहा। यहां आना और 'द रेज रूम' के बारे में बताना एक रोमांचक अहसास था।

नाइट्रोजन गैस से दूसरी बार मौत की सजा देने की तैयारी

मोंटगोमरी (अमेरिका) (एपी)। अलबामा में मौत की सजा पाए एक दोषी को नाइट्रोजन गैस सुंघाकर सजा की तामील करने की तैयारी की जा रही है। राज्य में मौत की सजा की तामील के लिए नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करने का पहला मामला एक माह पहले ही सामने आया था और इस प्रक्रिया से मृत्युदंड देने की काफी अलोचना भी हुई थी।

अलबामा के अटॉर्नी जनरल स्टीव मार्शल के कार्यालय ने बुधवार को अलबामा के उच्चतम न्यायायल से दोषी एलन यूजीन मिलर के लिए सजा की तारीख तय करने का अनुरोध किया। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि मिलर को मौत की सजा नाइट्रोजन हाइपॉक्सिया के जरिए दी जाएगी। मिलर (59) को 1999 में बर्मिंघम में तीन लोगों की हत्या का दोषी ठहराया गया है। सजा के लिए तारीख तय करने का अनुरोध ऐसे वक्त में किया जा रहा है जब राज्य में इस तरीके से सजा-ए-मौत देने को लेकर अलग-अलग राय व्यक्त की जा रही है। दरअसल 25 जनवरी को पहली बार नाइट्रोजन गैस के जरिए केनेथ स्मिथ को मौत की सजा दी गई थी और वहां मौजूद लोगों का कहना था कि स्मिथ को कई मिनट तक झटके आते रहे और वह छटपटा रहा था। अटॉर्नी जनरल स्टीव मार्शल के कार्यालय ने कहा कि यह तरीका उपयुक्त है और कहा कि राज्य आगे भी मौत की सजा की तामील में नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करेगा।

उन्होंने स्मिथ को सजा दिए जाने के अगले दिन अन्य राज्यों को भी इस तरीके पर विचार करने का अनुरोध किया था। लेकिन मौत की सजा पाए एक अन्य दोषी की ओर से दायर वाद में नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल बंद करने का अनुरोध किया गया है। इसमें कहा गया कि मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि यह 'इंसान पर किए गए प्रयोग' जैसा था और इसे सफल नहीं माना जा सकता।

25 जनवरी को पहली बार नाइट्रोजन गैस के जरिए केनेथ स्मिथ को मौत की सजा दी गई थी और वहां मौजूद लोगों का कहना था कि स्मिथ को कई मिनट तक झटके आते रहे और वह छटपटा रहा था। अटॉर्नी जनरल स्टीव मार्शल के कार्यालय ने कहा कि यह तरीका उपयुक्त है और कहा कि राज्य आगे भी मौत की सजा की तामील में नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करेगा।

59 वर्ष के हुए सूरज बड़जात्या

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार सूरज बड़जात्या आज 59 वर्ष के हो गए। 22 फरवरी 1965 को मुंबई में जन्मे सूरज बड़जात्या ने अपने करियर की शुरुआत बतौर निर्देशक वर्ष 1989 में प्रदर्शित फिल्म 'मैंने प्यार किया' से की थी। प्रेम कथा पर बनी इस फिल्म में सलमान खान और भाग्यश्री की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई। वर्ष 1994 में सूरज बड़जात्या ने अपने प्रिय अभिनेता सलमान खान को लेकर 'हम आपके है कौन' बनाई। इस फिल्म में सलमान के अपोजिट माधुरी दीक्षित थी। पारिवारिक पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में सलमान और माधुरी की जोड़ी काफी पसंद की गई। फिल्म ने सफलता के

नए कीर्तिमान स्थापित किए और ऑल टाइम ग्रेटेस्ट हिट्स में शुमार हो गई। वर्ष 1999 में सूरज बड़जात्या ने अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'हम साथ साथ हैं' का निर्देशन किया। इस फिल्म में सलमान खान, सैफ अली खान, मोहनीश बहल, तब्बू, सोनाली बेन्द्रे और करिश्मा कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। पारिवारिक पृष्ठभूमि पर बनी यह मल्टीस्टारर फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई।

वर्ष 2003 में सूरज बड़जात्या ने 'मै प्रेम की दीवानी हूं' का निर्देशन किया। यह फिल्म उनके दादा ताराचंद बड़जात्या के बैनर राजश्री प्रोडक्शन के तले बनी 'चितचोर' की रीमेक थी।'मै प्रेम की दीवानी हूं', में ऋतिक रोशन, अभिषेक बच्चन और करीना कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थी, लेकिन यह फिल्म टिकट खिड़की पर बेअसर साबित हुई। वर्ष 2006 में प्रदर्शित फिल्म 'विवाह' सूरज बड़जात्या के करियर की एक और हिट फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में शाहिद कपूर और अमृता राव ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थी। इस फिल्म के बाद सूरज बड़जात्या ने फिल्म निर्देशन करना बंद कर दिया। वर्ष 2007 में सूरज बड़जात्या ने सोनू सूद और इशा कोप्पिकर को लेकर 'एक विवाह ऐसा भी' बनाई। यह फिल्म भी राजश्री बैनर तले बनी फिल्म 'तपस्या' की रीमेक थी।हालांकि,'एक विवाह ऐसा भी' को'तपस्या' जैसी कामयाबी हासिल नहीं हो सकी। सूरज बड़जात्याा ने करीब आठ साल के बाद एक बार फिर से फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा।

सूरज बड़जात्या ने सलमान खान को लेकर वर्ष 2015 में प्रदर्शित फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' बनाई। फिल्म में सलमान खान और सोनम कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म ने 200 करोड़ से अधिक की कमाई की । वर्ष 2022 में सूरज बड़जात्या ने अमिताभ बच्चन, डैनी, अनुपम खेर ,परिणीति चोपड़ा जैसे सितारों को लेकर फिल्म उंचाई बनायी। सूरज बड़जात्या एक बार फिर सलमान खान को लेकर फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे है।

सीसीएल के 10वें सीजन के लिए लॉन्च हुई भोजपुरी दबंग की जर्सी

मुंबई (वार्ता)। सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग (सीसीएल) के 10वें सीजन के लिए भोजपुरी दबंग की जर्सी वाराणसी में लांच कर दी गयी है। भोजपुरी दबंग के कप्तान मनोज तिवारी (सांसद सह गायक एवं अभिनेता) ने कहा कि सीसीएल का 10वां सीजन भोजपुरी दबंग के लिए खास होने वाला है। इसकी शुरुआत हो चुकी है और इस कड़ी में नई जर्सी भी आ गई है, जो हमारी टीम के मनोबल को ऊंचा करने का काम करेगी। उम्मीद करता हूं कि नई फ्रेंचाइजी के साथ इस बार सीसीएल में हम नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। सीसीएल के इस सफर में हमसफर बनने के लिए हम भारत राइजिंग के शुक्रगुजार हैं।

बेयॉन्से के बाद, पेरिस हिल्टन ने पहनी भारतीय डिजाइनर की ड्रेस

नई दिल्ली (आईएएनएस)। अमेरिकी मीडिया हस्ती, व्यवसायी और सोशलाइट पेरिस हिल्टन ने भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता द्वारा तैयार की गई ड्रेस पहनकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। डिजाइनर और सोशलाइट ने अपने-इंस्टाग्राम अकाउंट में इस लुक को शेयर किया। फोटो में पेरिस हिल्टन सफेद ड्रेस में एक परी की तरह दिख रही थीं। उन्होंने एम्बेलिश्ड स्टिलेटोस के साथ एल्बो हाई ग्लव्स के साथ लुक को पूरा किया। उन्होंने अपने सुनहरे बालों को खुला छोड़ा, बोल्ड आंखें और न्यूड लिप्स चुने। पेरिस ने सफेद ड्रेस में फोटो शेयर की, इसे कैप्शन दिया: पेरिस इन वंडरलैंड। डिजाइनर ने भी उसी ड्रेस में पेरिस की एक और फोटो शेयर की। उन्होंने बताया कि यह ड्रेस उनके पेरिस कॉउचर वीक कलेक्शन स्प्रिंग समर 23 से थी। पिछले हफ्ते, गुप्ता ने ग्रैमी विजेता गायिका बेयॉन्से की न्यूयॉर्क फैशन वीक से एक फोटो शेयर की थी।

डॉन 3 में काम नहीं कर रहे इमरान हाशमी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी का कहना है वह डॉन 3 में काम नहीं कर रहे हैं। फरहान अख्तर डॉन फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म डॉन 3 बना रहे है। डॉन 3 में रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी की मुख्य भूमिका होगी। चर्चा हो रही थी कि'डॉन 3'में इमरान हाशमी विलेन का रोल निभाते दिखाई देंगे। इमरान हाशमी ने सोशल मीडिया पर साफ कर दिया है कि उन्हें इस फिल्म के लिए कभी ऑफर नहीं आया। इमरान हाशमी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट में लिखा,फैंस और जर्नलिस्ट्स के लिए, जो पूछ रहे थे थे, मै कभी डॉन 3 का हिस्सा नहीं था। मुझे फिल्म का कभी ऑफर नहीं आया।

'शैतान' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और आर माधवन स्टारर सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म शैतान का ट्रेलर रिलीज हो गया है। विकास बहल निर्देशित शैतान में अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि आर माधवन मेहमान बनकर अजय देवगन के घर पर पहुंचते हैं और उनकी बेटी को काली शक्तियों से अपने बस में कर लेते हैं। मगर बाद में अजय को उनकी शैतानी शक्तियों के बारे में पता चल जाता है। 'शैतान'08 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अजय देवगन इस फिल्म के निर्माता भी हैं। उन्होंने ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक के साथ मिलकर फिल्म शैतान का निर्माण किया है।

संक्षिप्त खबरें

स्पाइसजेट ने पूंजी जुटाई

मुंबई। विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने 316 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि हासिल की है, जिससे तरजीही शेयर निर्गम के जरिए उसकी कुल जुटाई गई धनराशि 1,060 करोड़ रुपये हो गई है। संघर्षरत एयरलाइन में ताजा पूंजी निवेश हाल ही में अपने कार्यबल में 10 से 15 प्रतिशत की कटौती की घोषणा के बीच आया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया, 'स्पाइसजेट के निदेशक मंडल की तरजीही आवंटन समिति ने 21 फरवरी 2024 को एरीज़ अपॉर्चुनिटीज फंड लिमिटेड सहित दो निवेशकों को तरजीही आधार पर 4.01 करोड़ इक्विटी शेयर के आवंटन को मंजूरी दे दी।' स्पाइसजेट के सीएमडी अजय सिंह ने कहा, 'कंपनी ने 1060 करोड़ का निवेश जुटाया है।

एचसीएल, इंटेल का करार

नई दिल्ली। एचसीएल टेक्नोलॉजीज (एचसीएलटेक) वैश्विक सेमीकंडक्टर नवाचार को बढ़ाने के लिए इंटेल फाउंड्री के साथ दीर्घकालिक सहयोग का विस्तार कर रही है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह साझेदारी एक मजबूत और विविध आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने के लिए इंटेल फाउंड्री की उन्नत प्रौद्योगिकी विनिर्माण क्षमताओं के साथ एचसीएलटेक की डिजाइन विशेषज्ञता को एक साथ लाती है, जो नवाचार तथा उत्कृष्टता के एक नए युग का प्रतीक है। इसका मकसद सेमीकंडक्टर निर्माताओं, प्रणाली ओईएम (मूल उपकरण निर्माताओं) और क्लाउड सेवा प्रदाताओं के लिए अनुकूलित सिलिकॉन समाधान विकसित करना है।

एसबीआई ने ऋण मंजूर किया

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा समाधान प्रदाता एएमएसएल को एसबीआई ने हैदराबाद में कंपनी की नई परियोजना के लिए 110 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया है। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड (एएमएसएल) ने रक्षा उत्पादों के निर्माण के लिए 210 करोड़ रुपये के निवेश से तेलंगाना में एक सुविधा स्थापित करने की योजना की मंगलवार को घोषणा की थी। एएमएसएल ने बयान में कहा, 'कंपनी को हार्डवेयर पार्क में हमारी आगामी परियोजना के क्रियान्वयन के लिए भारतीय स्टेट बैंक से 110 करोड़ रुपये के सावधि ऋण की मंजूरी मिल गई है। आईपीआईडीएस के लिए एकीकृत संयंत्र को आवंटित की गई है।'

भारत हाईवेज का इश्यू

नई दिल्ली। भारत हाईवेज इनिवट का 2,500 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 फरवरी को खुलेगा। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारत हाईवेज इनिवट ने बयान में कहा कि उसका आईपीओ एक मार्च को बंद होगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 98-100 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल परियोजना एसपीवी (विशेष इकाई) को उनके बकाया ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए कर्ज देने के लिए किया जाएगा। यह कंपनी एक बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट है।

अक्षयकल्प का करार

मुंबई। ऑर्गेनिक डेयरी उद्यम क्षअयकल्प ऑर्गेनिक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने ब्रिटेन के विकास वित्त संस्थान ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (बीआईआई) और समुन्नित के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए है। इस समझौते के तहत कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना में 1,500 छोटे डेयरी किसानों के वित्तपोषण के लिए वित्तीय मध्यस्थता और सेवाएं प्रदान की जाएंगी। एक संयुक्त बयान के अनुसार, इस साझेदारी से बीआईआई नए और मौजूदा अक्षयकल्प ऑर्गेनिक छोटे भू धारक किसानों के लिए गारंटी का विस्तार करेगा, जो औपचारिक ऋण पारिस्थितिकी तंत्र से बाहर हैं।

'एक्जाम टाइम, डाबर च्यवनप्राश टाइम' कैंपेन लांच

नई दिल्ली। वैलनैस के जाने-माने ब्राण्ड डाबर ने नए कैंपेन 'एक्ज़ाम टाइम, डाबर च्यवनप्राश टाइम' के लॉन्च की घोषणा की है। परीक्षाओं की तैयारी के दौरान छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना इस कैंपेन का मुख्य उद्देश्य है। 'परीक्षा की तैयारी के दौरान छात्र अक्सर शारीरिक थकान और मानसिक तनाव महसूस करते हैं। चिंता के चलते उनमें एकाग्रता की कमी आती है, जिसका असर उनके एकेडमिक परफोर्मेन्स पर पड़ सकता है। डाबर च्यवनप्राश छात्रों की इन समस्याओं को हल करने में बेहद कारगर है। यह जानकारी डाबर इंडिया के मार्केटिंग हैड-हेल्थ सप्लीमेन्ट्स, प्रशांत अग्रवाल ने दी।

कम पानी खपत वाली फसलों के लिए एक और हरित क्रांति की जरूरत

■ आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की सलाह ■ कृषि क्षेत्र को मुफ्त बिजली योजना हतोत्साहित करने की भी सलाह

नई दिल्ली (भाषा)।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा कि भारत को दालों और तेल जैसी कम पानी की खपत वाली फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए हरित क्रांति 2.0 की शुरुआत करने की जरूरत है। जीटीआरआई ने कृषि क्षेत्र के लिए मुफ्त बिजली को हतोत्साहित करने की बात भी कही।

जीटीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है, 'दलहन, तिलहन और सब्जियों जैसी कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने की जरूरत है, जो पानी की मांग को काफी कम कर सकती है और सरकार इन फसलों पर एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) की गारंटी दे सकती है।'

इसमें कहा गया है कि जल उपयोग दक्षता में सुधार के लिए ड्रिप सिंचाई, लेजर भूमि समतलन, जल-कुशल तकनीकों पर प्रशिक्षण और सटीक कृषि जैसी जल-बचत प्रौद्योगिकियों को अपनाने के बारे में किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए।

इसमें कृषि के लिए मुफ्त बिजली को समाप्त करने और जल मूल्य निर्धारण तंत्र शुरू करने का भी सुझाव दिया गया है जो अत्यधिक पानी के उपयोग को हतोत्साहित कर सकता है और जल संरक्षण को प्रोत्साहित कर सकता है। इसके अलावा किसानों को अस्थिर प्रथाओं के दीर्घकालिक परिणामों के बारे में शिक्षित किया जा सकता है। ये सिफारिशें महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ राज्यों में किसान अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है, जिसमें फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी शामिल है।

इसमें कहा गया है कि चावल और गेहूं पर एमएसपी और मुफ्त बिजली ने जल-गहन धान की खेती को कृत्रिम रूप से सस्ता बना दिया है, साथ ही यह पर्यावरण के अनुकूल, प्राकृतिक रूप से उगाए जाने वाले धान को अनुचित रूप से नुकसान पहुंचाता है जो बारिश या नहर के पानी पर निर्भर करता है।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, 'हमें हरित क्रांति 2.0 लाने की जरूरत है, जो अनिवार्य रूप से हरित क्रांति 1.0 से पहले मौजूद फसल मिश्रण को बहाल करेगी।

सरकार ने दी चार देशों को प्याज निर्यात की अनुमति

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने व्यापारियों को 31 मार्च तक चार देशों बांग्लादेश, मारीशस, बहरीन और भूटान को 54,760 टन प्याज निर्यात करने की बृहस्पतिवार को अनुमति दे दी।

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा, 'हमने तत्काल प्रभाव से बांग्लादेश को 50,000 टन, मॉरीशस को 1,200 टन, बहरीन को 3,000 टन और भूटान को 560 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी है।' उन्होंने कहा कि व्यापारियों को 31 मार्च तक इतनी मात्रा का निर्यात करने की अनुमति है। इसके तौर-तरीकों पर काम जारी है।

सिंह ने कहा कि यह निर्णय विदेश मंत्रालय की सिफारिश के बाद लिया गया है।

2047 तक भारत को बनना होगा हरित ऊर्जा का निर्यातक

■ इसके बाद ही पूंजी आकर्षित करने में मिलेगी सफलता

नई दिल्ली (भाषा)।

जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को पूंजी आकर्षित करने के लिए 2047 तक हरित ऊर्जा का निर्यातक बनना चाहिए। 'रायसीना डायलॉग 2024' को संबोधित करते हुए कांत ने कहा कि आज की चुनौती जलवायु परिवर्तन है और विश्व बैंक को जलवायु बैंक बनने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में सभी निवेश नवीकरणीय क्षेत्र में आने की उम्मीद है। देश हरित क्षेत्र में जाने के बाद पूंजी को आकर्षित करने में सक्षम होंगे। कांत ने कहा, '2047 तक भारत को हरित ऊर्जा का निर्यातक होना चाहिए। अगर देश हरित ऊर्जा अपनाएंगे तो पूंजी आकर्षित करने में सक्षम होंगे।' उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' को एक अलग रास्ता अपनाना चाहिए। प्रत्येक देश को नवीनीकरण पर जोर देने की जरूरत है।

कांत ने कहा कि जैव ईंधन रोजगार सृजन और स्वच्छ ईंधन लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि 2050 तक देश की 90 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों को नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा किया जाना चाहिए।

कांत ने कहा, 'नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए आपको नीतिगत ढांचे, नेतृत्व और वित्त की आवश्यकता है।'

मार्च तक 10 हजार करोड़ होगी सूक्ष्म वित्त संस्थानों पर बकाया धनराशि

कोलकाता (भाषा)।

चालू वित्त वर्ष के अंत तक सूक्ष्म-वित्त संस्थानों (एमएफआई) पर भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) का कुल बकाया 10,000 करोड़ रु पये तक पहुंच जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सिडबी के उप-प्रबंध निदेशक प्रकाश कुमार ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले वित्त वर्ष में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) एवं एमएफआई क्षेत्र पर उसका बकाया 5,000 करोड़ रु पये था। कुमार ने पूर्वी भारत सूक्ष्म-वित्त सम्मेलन के मौके पर कहा, 'सिडबी ने 1995-96 से एमएफआई को समर्थन देना शुरू किया था और इस दौरान एमएफआई क्षेत्र के लिए काफी काम किया है। वित्त वर्ष 2022-23 में एमएफआई का कुल बकाया 5,000 करोड़ रु पये था। चालू वित्त वर्ष में यह 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।'

इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले वित्त वर्ष के अंत तक यह राशि 40 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज पर सूक्ष्म वित्त संस्थानों के प्रभाव का आकलन करने के लिए सिडबी ने एक अध्ययन शुरू किया है।

भारत बनेगा 10 हजार अरब डालर की इकोनामी

■ डब्ल्यूईएफ अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने कहा, तीसरी सबसे बड़ी इकोनामी बनने की राह पर

नई दिल्ली (भाषा)।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत आने वाले वर्षों में 10000 अरब अमेरिकी डालर की अर्थव्यवस्था और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। ब्रेंडे ने एक विशेष वीडियो साक्षात्कार में कहा कि विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) समय आने पर भारत सरकार के सहयोग से डब्ल्यूईएफ इंडिया शिखर सम्मेलन के साथ देश में वापस आने की उम्मीद करता है।

उन्होंने कहा, 'दुनिया की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ती है। हमने इस साल दावोस में देखा कि भारत को लेकर काफी दिलचस्पी है और मुझे लगता है कि यह जारी रहेगा।' जिनेवा स्थित डब्ल्यूईएफ खुद को सार्वजनिक-निजी सहयोग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संगठन बताता है। यह हर साल जनवरी में स्विस स्की रिसोर्ट शहर दावोस में अपनी वार्षिक बैठक आयोजित करता है। ब्रेंडे ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'दावोस में हमेशा बहुत-बहुत स्वागत है।' उन्होंने कहा, 'जब आप भारत आते है, तो आप उम्मीद से भरा महसूस करते है ऐसा दुनिया में हर जगह महसूस नही होता। हम एक भू-राजनीतिक मंदी, एक बहुत ही खंडित तथा ध्रुवीकृत दुनिया का सामना कर रहे है, लेकिन अब भी ऐसे क्षेत्र है जहां हम सहयोग कर सकते है और उन क्षेत्रों का पता लगाना महत्वपूर्ण है।'

ब्रेंडे ने कहा कि यह रेखांकित करना आवश्यक है कि आर्थिक वृद्धि इतनी बुरी नही है। खासकर भारत के मामले में, जहां 'हम सात प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि देख रहे है। साथ ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है।' भारत के अगले दो से तीन वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य पर ब्रेंडे ने कहा कि भारत आने वाले वर्षों में 10000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

उन्होंने कहा, ' भारत महत्वपूर्ण सुधारों से गुजरा है। यह दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन की तुलना में अच्छी स्थिति में है। इसके अलावा भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में अच्छी वृद्धि देख रहा है।

कृषि कर्ज 20 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली (भाषा)। नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में कृषि क्षेत्र में बैंक कर्ज में तेजी से वृद्धि हुई है। बैंकों ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जनवरी अवधि के दौरान कर्ज के रूप में 20.39 लाख करोड़ रुपये का वितरण किया है, जबकि पूरे 2013-14 में किसानों को 7.3 लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में कृषि ऋण लक्ष्य 20 लाख करोड़ रु पये निर्धारित किया था। बैंक पहले ही लक्ष्य पार कर चुके है और इस वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 22 लाख करोड़ रुपये को पार कर सकता है। कृषि मंत्रालय ने किसानों को सालाना सात प्रतिशत के कम ब्याज पर कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए तीन लाख रुपये तक के अल्पकालिक फसल कर्ज को लेकर ब्याज छूट योजना लागू की हुई है।

योजना के तहत बैंकों को उनके संसाधनों के उपयोग पर प्रतिवर्ष दो प्रतिशत की ब्याज छूट दी जाती है। इसके अलावा, ऋण का समय पर भुगतान करने पर किसानों को तीन प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाता है, जिससे ब्याज दर कम होकर चार प्रतिशत हो जाती है। कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'कृषि क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण 2023-24 (31 जनवरी, 2024 तक) में 20.39 लाख करोड़ रु पये पहुंच गया है जो 2013-14 में 7.3 लाख करोड़ रुपये था।

वीआई में बाहरी निवेशक लाने के प्रयास जारी : बिड़ला

पानीपत (भाषा)। एबी ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने नकदी संकट से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया को लेकर समूह की दृढ़ प्रतिबद्धता को बृहस्पतिवार को दोहराया और कहा कि बाहरी निवेशकों को जोड़ने के प्रयास जारी है।

इस सवाल पर कि ऐसे निवेशकों को कितनी जल्दी जोड़ा जा सकता है बिड़ला ने कहा, 'हम अच्छी प्रगति कर रहे है, लेकिन इसके लिए कोई तय समयसीमा नही बता सकते।' समूह ने बिड़ला ओपस पेंट्स बिजनेस के तहत पानीपत (हरियाणा), लुधियाना (पंजाब) और चेय्यर (तमिलनाडु) में तीन बिड़ला ओपस पेंट्स संयंत्र का परिचालन बृहस्पतिवार को शुरू किया।

गन्ने का एफआरपी बढ़ाए जाने के बाद चीनी कंपनियों के शेयर टूटे

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र सरकार के 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का उचित व लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 25 रुपये बढ़ाकर 340 रुपये प्रति क्विंटल करने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को चीनी कंपनियों के शेयर तीन प्रतिशत तक की गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई पर सूचीबद्ध राणा शुगर्स का शेयर 2.86 प्रतिशत गिरकर 25.44 रुपये पर, मवाना शुगर्स का शेयर गिरकर 102.07 रुपये पर, श्री रेणुका शुगर्स का शेयर 48.96 रु पये पर, डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज का शेयर गिरावट के साथ 402 रुपये और ईआईडी पैरी (इंडिया) का शेयर 630.60 रुपये पर बंद हुआ। एक्सचेंज पर त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 347.90 रु पये, धामपुर शुगर मिल्स के शेयर गिरकर 248.95 रुपये और केसीपी शुगर एंड इंडस्ट्रीज कॉर्प के शेयर गिरकर 41.75 रु पये पर बंद हुआ। दूसरी ओर बीएसई पर सूचीबद्ध राजश्री शुगर्स एंड केमिकल्स का शेयर 8.22 प्रतिशत बढ़कर 80.60 रुपये पर और बलरामपुर चीनी मिल्स का शेयर 0.45 प्रतिशत बढ़कर 382.45 रुपये पर बंद हुए।

सरकार ने बुधवार को 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का उचित व लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 25 रुपये बढ़ाकर 340 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दे दी थी दी। गन्ने का नया सत्र अक्टूबर से शुरू होता है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 2014 में सत्ता में आने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ा एफआरपी है। मात्रा के संदर्भ में यह दूसरी बार है जब मोदी सरकार ने एफआरपी में एक बार में 25 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है।

सेंसेक्स 535 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)। आईटी, वाहन और प्रौद्योगिकी शेयरों में लिवाली के जोर से बृहस्पतिवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में फिर से तेजी लौट आई। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 535 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी ने अपना अब तक का उच्चतम स्तर हासिल कर लिया।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स कारोबार के अंत में 535.15 अंक यानी 0.74 प्रतिशत बढ़कर 73,158.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 73,256.39 अंक का ऊपरी स्तर भी छुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 162.40 अंक यानी 0.74 प्रतिशत चढ़कर 22,217.45 अंक पर पहुंच गया। यह निफ्टी का अबतक का उच्चतम बंद स्तर है।

बीते साल सौर क्षमता में दर्ज हुई 44 फीसद गिरावट

नई दिल्ली (भाषा)।

देश में सौर क्षमता स्थापित किए जाने के मामले में 44 प्रतिशत की कमी आई है और यह 2023 में 7,500 मेगावाट रही। मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दों के कारण सौर क्षमता स्थापित करने में कमी आई है।

अमेरिकी शोध कंपनी मेरकॉम कैपिटल की ताजा रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को कहा गया है कि देश में 2022 में 13,400 मेगावाट सौर क्षमता स्थापित की गई थी। दिसम्बर, 2023 की स्थिति के अनुसार, देश में स्थापित सौर क्षमता 72,000 मेगावाट रही। इसमें ग्रिड से जुड़ी परियोजनाओं का योगदान 85.4 प्रतिशत रहा जबकि छतों पर लगने वाली सौर परियोजनाओं का योगदान 14.6 प्रतिशत रहा।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'बीते वर्ष बड़े स्तर की सौर क्षमता 51 प्रतिशत घटकर 5,800 मेगावाट रही जबकि 2022 में यह 11,700 मेगावाट थी। कई बड़े पैमाने की परियोजनाओं को दिए गए विस्तार और मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण और पारेषण मुद्दों के कारण देरी से क्षमता वृद्धि प्रभावित हुई। सालाना आधार पर सौर क्षमता में वृद्धि में बड़े पैमाने की सौर ऊर्जा क्षमता का योगदान 77.2 प्रतिशत है। जबकि छतों पर लगने वाली सौर ऊर्जा परियोजनाओं का योगदान 22.8 प्रतिशत है।'

बड़े आकार की सौर क्षमता के मामले में राजस्थान के बाद कर्नाटक, और गुजरात शीर्ष तीन राज्य रहे। कुल स्थापित क्षमता में दिसम्बर, 2023 तक इनका योगदान 54.8 प्रतिशत था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की बड़े स्तर पर सौर परियोजना पाइपलाइन 1,05,300 मेगावाट थी। इसके अलावा 70,600 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं निविदा और नीलामी के स्तर पर थी।

दिसम्बर, 2023 के अंत में बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं सहित देश की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 1,79,500 मेगावाट थी, जो कुल बिजली क्षमता का 42 प्रतिशत है।

देश में पिछले साल स्थापित कुल बिजली क्षमता में सौर ऊर्जा परियोजनाओं का योगदान 48.5 प्रतिशत है।

अपना मोबाइल फोन ब्रांड स्थापित करने की तैयारी में भारत

■ अगले पांच वर्षों में तय कर लिया जाएगा यह लक्ष्य : वैष्णव ■ तीन सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्रों को जल्द मिलेगी मंजूरी

नई दिल्ली (भाषा)।

दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि सरकार देश में मोबाइल विनिर्माण की व्यापक सफलता से सीख लेकर एक भारतीय मोबाइल फोन ब्रांड विकसित करने पर काम कर रही है।

वैष्णव ने भुगतान सेवा प्रदाता फोनपे की तरफ से इंडस ऐप स्टोर को पेश करते हुए कहा कि सरकार बहुत जल्द दो-तीन सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्रों को मंजूरी दे सकती है।

इस मौके पर वैष्णव ने कहा, 'हम अपना खुद का भारतीय मोबाइल फोन ब्रांड विकसित करने की दिशा में काम करेंगे। हम देश में संपूर्ण हैंडसेट पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर काम करेंगे।'

वैष्णव ने कहा, 'बड़े पैमाने पर मोबाइल विनिर्माण की हमारी शुरुआती सफलता ने हमें बहुत अच्छी सीख दी है। इसने उद्योग को बहुत आत्मविश्वास दिया है। इसने पारिस्थितिकी तंत्र भागीदारों को भारत आने के लिए प्रोत्साहन दिया है। अगले पांच वर्षों में यह सफर तय किया जाएगा।'

■ अगले तीन से पांच वर्षों में तीन-चार अच्छे उच्च मात्रा वाले फैब्रिकेशन संयंत्र भी बनेंगे

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए एक बहुत स्पष्ट खाका दिया है। उन्होंने कहा, 'हमने अपना भारत सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया और हमें पहले ही बहुत अच्छी सफलता मिल चुकी है। माइक्रोन संयंत्र पहले से ही निर्माणाधीन है।' वैष्णव ने कहा, 'बहुत कम समयसीमा में हमें दो या तीन और स्वीकृतियां भी देखने को मिलेंगी।'

उन्होंने कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में तीन-चार अच्छे, उच्च मात्रा वाले फैब्रिकेशन संयंत्र स्थापित करने, एक खास मुकाम बनाने और कम-से-कम एक उत्पाद श्रेणी में अग्रणी भूमिका हासिल करने पर विचार कर रही है।

जापान के निक्की ने अपना 1989 का रिकार्ड तोड़ा, सर्वकालिक उच्च स्तर पर

टोक्यो (एपी)। जापान का सूचकांक निक्की 225 बृहस्पतिवार को 1989 में बनाए गए रिकार्ड को पार करते हुए 39,098.68 अंक पर बंद हुआ।

इसके साथ ही सूचकांक 34 साल के उच्चतम स्तर को पार कर गया। 29 दिसम्बर 1989 को यह 38,915.87 पर पहुंच गया था। सूचकांक बृहस्पतिवार को 2.2 प्रतिशत बढ़कर 39,098.68 अंक पर बंद हुआ। जापान की अर्थव्यवस्था 2011 में भीषण भूकंप, सुनामी और पूर्वोत्तर जापान में फुकुशिमा दाई-इची परमाणु ऊर्जा संयंत्र में नुकसान के बाद से काफी चरमराई। हाल के महीनों में बाजार में तेज बढ़त दर्ज की गई, जिसे विदेशी निवेशकों की मजबूत रुचि से काफी बल मिला है।

डब्लूपीएल का आगाज आज : मुंबई-दिल्ली होंगे आमने-सामने, युवा देंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस और पिछली बार के उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स के बीच शुक्रवार को यहां होने वाले मैच से दूसरे महिला प्रीमियर लीग का आगाज होगा जिसमें भारत की युवा खिलाड़ियों पर निगाह टिकी रहेगी। पिछले साल डब्लूपीएल का पहला टूर्नामेंट मुंबई में खेला गया था लेकिन इस बार इसका आयोजन बेंगलुरु और नई दिल्ली में किया जाएगा। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुकी हैं लेकिन डब्लूपीएल में टीम का काफी दारोमदार इस अनुभवी बल्लेबाज पर टिका रहेगा। उन्होंने पिछले साल इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाए थे जबकि मुंबई की गेंदबाज हेली मैथ्यूज ने सर्वाधिक 16 विकेट लिए थे। टूर्नामेंट में विदेशों की कई स्टार खिलाड़ी भाग लेगी जिनके बीच भारत की युवा खिलाड़ी अपनी चमक बिखरने की कोशिश करेंगी।

फार्म में श्रेयंका : पिछले साल भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। जिन युवा भारतीय खिलाड़ियों पर निगाह टिकी रहेगी उनमें श्रेयंका पाटिल भी शामिल हैं जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की तरफ से खेलेगी। पाटिल ने पिछले 10 महीनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच उन्हें भारत की तरफ से टेस्ट और वनडे क्रिकेट में प्रदार्पण करने का मौका भी मिला।

मिन्नू को चार मैचों का अनुभव : दिल्ली की टीम में एक अन्य युवा खिलाड़ी मिन्नू मणि है जो डब्लूपीएल में खुद को साबित करने के लिए बेताब होगी। इस ऑफ स्पिनर ने अभी तक भारत की तरफ से चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। इन युवा खिलाड़ियों के अतिरिक्त भारत की अनुभवी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी सभी की निगाह टिकी रहेगी। इनमें मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर और आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना भी शामिल हैं।

टिटास ने गेंदों से मचाया कहर

दिल्ली कैपिटल्स की टिटास साधु को पिछली बार एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था लेकिन इस बार उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने एशियाई खेलों में भारत की तरफ से पदार्पण किया। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ चार ओवर में छह रन देकर तीन विकेट लिए जिससे भारत 117 रन के अपने स्कोर का बचाव करने में सफल रहा था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुंबई में खेले गए टी20 मैच में साधु ने चार विकेट लेकर अपनी काबिलियत साबित की थी।

टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अमनजोत कौर, अमेलिया केर, क्लो ट्रायॉन, हेली मैथ्यूज, हुमैरा काजी, इस्सी वोंग, जिन्तिमनी कलिता, नट साइवर-ब्रंट, पूजा वस्त्राकर, प्रियंका बाला, सैका इशाक, यास्तिका भाटिया, शबनिम इस्माइल, एस सजना, अमनदीप कौर, फातिमा जाफर, कीर्तन बालाकृष्णन।

दिल्ली कैपिटल्स : मेग लैनिंग (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, लौरा हैरिस, शैफाली वर्मा, एलिस कैप्सी, एनाबेल सदरलैंड, अरुंधति रेड्डी, अश्विनी कुमारी, जेस जोनासेन, मारिजैन कैप, स्नेहा दीप्ति, मिन्नू मणि, राधा यादव, शिखा पांडे, अपर्णा मंडल , तानिया भाटिया, पूनम यादव, टिटास साधु।

चेन्नई-बेंगलोर के बीच 22 मार्च को होगा आईपीएल का पहला महासंग्राम

- ग्रुप चरण में प्रत्येक टीम खेलेगी 14 मैच
- 21 मैचों का शेड्यूल जारी, 17 दिन में होंगे 4 डबल हेडर

गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स 22 मार्च को इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सत्र के शुरुआती मैच में चेन्नई में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के सामने होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को इस लोकप्रिय टी20 लीग के पहले 17 दिन के कार्यक्रम की घोषणा की। आईपीएल के बचे हुए मुकाबलों के कार्यक्रम का ऐलान अगले महीने के शुरू में आगामी लोक सभा चुनावों की तारीखों की घोषणा के बाद किया जाएगा। टूर्नामेंट के पहले 17 दिन 21 मैच खेले जाएंगे। दिल्ली कैपिटल्स 23 मार्च को मोहाली में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी।

10 टीम दो ग्रुप में विभाजित

प्रारूप के अनुसार 10 टीम को पांच पांच के दो ग्रुप में विभाजित किया गया है। ग्रुप चरण में प्रत्येक टीम 14 मैच खेलेगी। हर टीम अपने ग्रुप में अन्य चार टीम से दो बार घरेलू और प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर खेलेगी। वह दूसरे ग्रुप में चार टीम से एक एक बार भिड़ेगी जबकि बची हुई दो टीम दो बार एक दूसरे के आमने सामने होगी।

सुपर किंग्स नौवीं बार खेलेगी ओपनिंग मैच

सीएसके की टीम नौवीं बार आईपीएल के किसी सीजन का पहला मुकाबला खेलेगी। इससे पहले टीम 8 दफा ऐसा कर चुकी है। टीम ने अब तक 10 फाइनल खेले हैं, इनमें 5 खिताब जीते हैं।

शमी आईपीएल से बाहर

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी बाएं टखने में चोट के कारण अगले महीने शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि उन्हें ब्रिटेन में इसका ऑपरेशन करवाना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने गुरुवार को को यह जानकारी दी। यह 33 वर्षीय तेज गेंदबाज चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ वर्तमान टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पा रहा है।

आईपीएल समय सारिणी

दिनांक	टीम	समय
22 मार्च	चेन्नई/बेंगलोर	7.30 बजे
23 मार्च	पंजाब/दिल्ली	3.30 बजे
23 मार्च	कोलकाता/हैदराबाद	7.30 बजे
24 मार्च	राजस्थान/लखनऊ	3.30 बजे
24 मार्च	गुजरात/मुंबई	7.30 बजे
25 मार्च	बेंगलोर/पंजाब	7.30 बजे
26 मार्च	चेन्नई/गुजरात	7.30 बजे
27 मार्च	हैदराबाद/मुंबई	7.30 बजे
28 मार्च	राजस्थान/दिल्ली	7.30 बजे
29 मार्च	बेंगलोर/कोलकाता	7.30 बजे
30 मार्च	लखनऊ/पंजाब	7.30 बजे
31 मार्च	गुजरात/हैदराबाद	3.30 बजे
31 मार्च	दिल्ली/चेन्नई	7.30 बजे
01 अप्रैल	मुंबई/राजस्थान	7.30 बजे
02 अप्रैल	बेंगलोर/लखनऊ	7.30 बजे
03 अप्रैल	दिल्ली/कोलकाता	7.30 बजे
04 अप्रैल	गुजरात/पंजाब	7.30 बजे
05 अप्रैल	हैदराबाद/चेन्नई	7.30 बजे
06 अप्रैल	राजस्थान/बेंगलोर	7.30 बजे
07 अप्रैल	मुंबई/दिल्ली	3.30 बजे
07 अप्रैल	लखनऊ/गुजरात	7.30 बजे

खबर संक्षेप

फुटबॉल स्टार दानी को चार साल जेल की सजा

बार्सिलोना। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर दानी एलवेस को गुरुवार को बार्सिलोना की अदालत में एक महिला से यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया और उन्हें साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई गई। तीन न्यायाधीश की पीठ ने इस महीने तीन दिन की सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। एलवेस को सजा सुनाने के लिए अदालत बुलाया गया था। पीड़िता की अधिवक्ता एस्टर गार्सिया ने इस हफ्ते कहा था कि वह और उनकी मुवक्किल इस दौरान उपस्थित नहीं होंगी।

अभय, रमित पीएसए टूर्नामेंट में आगे बढ़े

नई दिल्ली। भारत के उभरते हुए स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने टोरंटो में 9000 डॉलर पुरस्कार राशि के चैलेंजर टूर टूर्नामेंट गुडफेलो क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीय अभय ने कनाडा के एलियट हंट को 11-6, 11-3, 11-9 से हराया। वहीं शिकागो में भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी सौरव घोषाल वर्ल्ड टूर प्लेटिनम विंडी सिटी ओपन के पहले दौर में घरेलू प्रबल दावेदार टिमोथी ब्रोउनेल से 11-13, 2-11, 11-3, 14-12 से हार गए।

इमरान और पंचाल मुख्य ड्रा में शामिल

मुंबई। मध्य प्रदेश के इमरान खान, मुंबई के मानव पंचाल, तमिलनाडु के विजय निचानी और विश्वजीत मोहन ने गुरुवार को यहां सीसीआई स्नूकर क्लासिक टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा के लिए क्वालीफाई किया। इमरान ने फहद मिठाईवाला को 4-0 और पंचाल ने विशाल गेहानी को 4-1 से मात दी। निचानी को हालांकि कल्पेश मेवाडा को 4-0 से हराने में थोड़ी मुश्किल हुई। मोहन ने सुमित आहुजा को 4-1 से मात दी।

गॉफ, स्वियाटेक ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

दुबई। कोको गॉफ ने धीमी शुरुआत और दूसरे सेट में चेयर अंपायर के साथ बहस के बावजूद करोलिना प्लिस्कोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर दुबई टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने 2-6, 6-4, 6-3 से जीत दर्ज करके प्लिस्कोवा के 11 मैच से चले आ रहे विजय अभियान पर भी रोक लगाई। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने दो बार की चैंपियन एलिना स्वितोलिना को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। चौथी वरीयता प्राप्त ऐलेना रायबकिना को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने मैग्डालेना फ्रेच को 7-6 (5), 3-6, 6-4 से हराया।

क्रिकेट : पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में टीम इंडिया 2-1 से आगे

भारत लगातार 16 श्रृंखलाओं में अजेय रांची के मैदान में इंग्लैंड से जंग आज

एजेंसी ▶▶| रांची

भारत शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच में भी इंग्लैंड की बैजबॉल शैली को धत्ता बताकर पांच मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा। भारत अभी श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है और उसकी निगाह घरेलू मैदान पर लगातार 17वीं श्रृंखला जीतने पर लगी हैं। 2012 में एलिस्टर कुक की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम से हारने के बाद भारतीय टीम अपनी धरती पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करती रही है। उसके बाद उसने जो 47 टेस्ट मैच के लिए उनमें से 38 में जीत दर्ज की है। इस बीच उसे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से ही हार का सामना करना पड़ा।

विराट कोहली, केएल राहुल और खराब फार्म में चल रहे श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की तरफ से युवा बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। फिर चाहे वह यशस्वी जायसवाल हो या सरफराज खान। जायसवाल ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पहले तीन मैच में 545 रन बनाए हैं जिसमें दो दोहरे शतक भी शामिल हैं।

मो. सिराज के हाथ गेंदबाजों की कमान

अभी टीम में मोहम्मद सिराज सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज है। सिराज के साथ बंगाल के मुकेश कुमार और आकाशदीप में से किसी एक को चुना जा सकता है। मुकेश कुमार अधिक अनुभवी हैं और उन्होंने हाल में रणजी ट्रॉफी मैच में 10 विकेट के लिए थे। पूरी संभावना है कि भारत दो तेज गेंदबाज और तीन स्पिनरों के साथ उतरेगा। ऐसे में अक्षर पटेल की वापसी की संभावना नहीं है। यह तय है कि भारतीय टीम रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव के साथ ही मैदान पर उतरेगी।

यह सामान्य विकेट

'जब भी हम भारत में खेलते हैं तो पिच पर सवालिया निशान लगा दिया जाता है। यह आम भारतीय विकेट जैसा है जिसमें दरार है। इस विकेट में हमेशा दरार होती हैं। यह टर्न लेगा लेकिन कितना और कब टर्न मिलेगा इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन हमारी टीम काफी संतुलित है।'

- विक्रम राठौड़, कोच

ऐसी पिच नहीं देखी : स्टोक्स

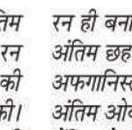

'यह देखने में दिलचस्प लग रही है। मैं इस तरह की पिच के बारे में नहीं जानता इसलिए अधिक कुछ नहीं कह सकता हूं। मैंने इससे पहले कभी इस तरह की पिच नहीं देखी इसलिए मुझे किसी तरह का अंदाजा नहीं है। मैं नहीं जानता कि यह किस तरह का व्यवहार करेगी। ड्रेसिंग रूम से देखने पर इसमें घास नजर आती है लेकिन जब आप पास जाते हो तो यह पूरी तरह से भिन्न दिखती है। इसमें कुछ दरारें नजर आती हैं।'

- बेन स्टोक्स, कप्तान

तेंदुलकर ने कश्मीर में खेला गली क्रिकेट

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के उरी में गली क्रिकेट खेल रहे युवाओं का तब आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा जब कोई और नहीं बल्कि दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर उनके साथ खेलने के लिए उतरे। पहली बार जम्मू कश्मीर के दौरे पर गए तेंदुलकर ने जब कुछ युवाओं को कार्डबोर्ड कार्टन और स्टंप के रूप में एक खाली तेल के डिब्बे के साथ सड़क पर क्रिकेट खेलते हुए देखा तो वह अपनी गाड़ी से नीचे उतर गए।

तेंदुलकर ने एक्स पर पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसका शीर्षक उन्होंने 'क्रिकेट और कश्मीरः स्वर्ग में खेला गया मैच' रखा है। इस वीडियो में

उन्हें 9 गेंद खेलते हुए देखा जा सकता है जिसमें स्थानीय लोग बड़े कौतुहल के साथ उन्हें खेलते हुए देख रहे हैं। इस वीडियो क्लिप में तेंदुलकर की पत्नी अंजलि को भी मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। इसके शुरू में तेंदुलकर लड़कों से कहते हैं, 'हम खेलें। कौन है तुम्हारा बॉलर।' इसके बाद उन्होंने बल्ला हाथ में लिया।

रोनाल्डो के गोल से जीता अल नासर

रियाद। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मदद से अल नासर क्लब ने अल फाहया पर कुल 3-0 की जीत से एशियाई चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। रोनाल्डो के गोल से अल नासर ने पहले चरण के मैच में 1-0 से जीत हासिल की थी जबकि दूसरे चरण में उन्होंने मैच खत्म होने से चार मिनट पहले गोल किया। रोनाल्डो (86वें मिनट) और ओटावियो (17वें मिनट) के गोल की मदद से अल नासर ने दूसरे चरण में 2-0 से जीत दर्ज की। अब अल नासर की निगाहें पहले महाद्वीपीय खिताब पर लगी हैं और अगले महीने क्वार्टर फाइनल में उसका सामना संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन क्लब से होगा।

श्रीलंका ने 2-1 से अपने नाम की टी20 श्रृंखला

***दाम्बुला।** अफगानिस्तान ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका को तीन रन से हरा दिया। लेकिन श्रीलंका ने तीन मैच की टी20 श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 209 रन बनाए। श्रीलंका की टीम छह विकेट पर 206 रन ही बना सकी। श्रीलंका को जीत के लिए अंतिम छह गेंद में 19 रन की दरकार थी और अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज वफादार मोमंड अंतिम ओवर में गेंदबाजी करने उतरे। कामिंडु मेंडिस ने मोमंड पर पहली और तीसरी गेंद पर दो चौके जड़ दिए। इस गेंदबाज की चौथी गेंद कमर से ऊपर की थी लेकिन लेग अंपायर ने इसे नहीं देखा जिस पर श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसारंगा ने अंपायर की आलोचना भी की। अब अंतिम दो गेंद में 10 रन की दरकार थी। कामिंडु मेंडिस ने एक छक्का जड़ा लेकिन टीम तीन रन से पीछे रह गई। वह 39 गेंद में दो छक्के और सात चौके से 65 रन बनाकर नाबाद रहे।*

रणजी ट्राफी : विदर्भ, बड़ौदा, मध्य प्रदेश और आंध्र की टीम देगी चुनौती

मुंबई, कर्नाटक, तमिलनाडु, सौराष्ट्र की अंतिम-4 पर नजर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

डेढ़ महीने तक चले उतार चढ़ाव भरे मुकाबलों के बाद आठ टीम रणजी ट्राफी के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं और शुक्रवार से शुरू होने वाले इस चरण में एक भी चूक उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर देगी। इसमें कुछ टीम लगातार इस चरण तक पहुंचती रही हैं जबकि कुछ से उलटफेर की उम्मीद की जा सकती है। आठ चरण में 41 बार की चैंपियन मुंबई, मजबूत दावेदार कर्नाटक, तमिलनाडु तथा विदर्भ और बड़ौदा के अलावा गत चैंपियन सौराष्ट्र, मध्य प्रदेश और आंध्र की टीम शामिल हैं।

मुंबई की टीम शुक्रवार से यहां बड़ौदा के खिलाफ मुकाबले में अपने मध्यक्रम बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और स्टार आल राउंडर शिवम दूबे के बिना होगी। एलीट ग्रुप बी में मुंबई ने सबसे ज्यादा 37 अंक जुटाए और उत्तर प्रदेश के

खिलाफ हार को छोड़ दें तो टीम के खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं। मुंबई के अलावा विदर्भ ही एकमात्र टीम है जिसने ग्रुप ए में पांच जीत दर्ज की हैं और टीम नागपुर में मजबूत कर्नाटक के सामने होगी। कर्नाटक ग्रुप सी में तमिलनाडु के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। छह साल में पहली बार रणजी ट्राफी नॉकआउट में पहुंची तमिलनाडु के खिलाफ सौराष्ट्र की उम्मीदें अपने बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा, कप्तान अर्पित वसावडा और प्रेरक मांकड से लगी होंगी। तमिलनाडु ने भी कुछ बड़ी जीत दर्ज की हैं जिसमें पंजाब के खिलाफ नौ विकेट की जीत भी शामिल है।

आंध्र को रिकी से उम्मीद

इंदौर में होलकर स्टेडियम में मेजबान मध्य प्रदेश को खतरनाक आंध्र के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। आंध्र ग्रुप बी में मुंबई के बाद दूसरे स्थान पर रही जिसके लिए रिकी भुई (861 रन) बल्ले से सत्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे हैं जबकि भारतीय बल्लेबाज हनुमा विहारी (453 रन) ने भी कुछ अहम पारियां खेली हैं। वहीं 2021-22 रणजी ट्राफी की विजेता मध्य प्रदेश को इस सत्र में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। उसके लिए वेंकटेश अय्यर (510 रन) और कुमार कार्तिकेय फॉर्म में हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में

नई राहें

आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस स्टूडेंट्स के लिए ढेरों करियर हैं विकल्प

देशभर में बोर्ड परीक्षाओं का दौर जारी है। 12वीं कक्षा में पढ़ रहे स्टूडेंट्स आर्ट्स, कॉमर्स या विज्ञान विषयों के साथ बोर्ड परीक्षाओं में भाग ले रहे हैं। इन सभी स्टूडेंट्स और उनके अविभावकों को को 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के साथ ही यह चिंता भी सताने लगी है कि वे आगे चलकर कौन सा कोर्स करें जिससे कि उनके बेहतर करियर का निर्माण हो सके।

आर्ट्स : जो स्टूडेंट्स 12वीं आर्ट्स विषयों के साथ कर रहे हैं वे बीए, बीए एलएलबी, बीएचएम, बीएफए, बीबीए, बैचलर इन फैशन डिजाइनिंग, बीजेएमसी, टूर एंडट्रैवल, बैचलर इन सोशल वर्क पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर एक क्षेत्र चुन सकते हैं। इसके अलावा अगर आपको टीचिंग में रुचि है तो अब कई विश्वविद्यालयों में 4 वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम शुरू कर दिया गया है। आप इसमें प्रवेश लेकर टीचिंग क्षेत्र में भी करियर को दिशा दे सकते हैं।

साइंस : साइंस और मैथ्स विषयों से 12वीं करने वाले स्टूडेंट्स जेईई मेन की तैयारी कर सकते हैं और आगे चलकर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही आप बीएससी, बीए, बीकॉम जैसे पाठ्क्रमों के लिए भी प्रवेश ले सकते हैं।इसके अलावा आप आर्किटेक्ट, एविएशन एवं मेडिकल क्षेत्र में भी करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

कॉमर्स : अगर आप कॉमर्स के स्टूडेंट हैं तो आप सबसे पहले सीए की तैयारी के लिए एलिजिबल होते हैं। इसके अलावा आप बीकॉम और उसके बाद एमकॉम करके बैंकिंग क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। इन सबके साथ ही आप लॉ, टूर एन्ड ट्रैवलिंग, होटल मैनेजमेंट, पत्रकारिता पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश लेने के लिए योग्य हैं। आप अपनी रुचि के अनुसार इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। ●

दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में एंजिफेस्ट का जलवा

एंजिफेस्ट डीटीयू दिल्ली, भारत में दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (जिसे पहले दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता था) जो की रोहिणी सेक्टर 16 17 के पास बवाना रोड पर स्थित है।उसके द्वारा आयोजित सबसे प्रतीक्षित वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव है, जो 15 से 17 फरवरी 2024 तक आयोजित किया गया था। इसमें आमतौर पर संगीत समारोहों सहित कई तरह के कार्यक्रम होते हैं। नृत्य प्रदर्शन, नाटक प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं, और अन्य सांस्कृतिक और तकनीकी गतिविधियां। इस वर्ष, यह 15 फरवरी से 17 फरवरी तक हुआ।

शुरुआती रात में प्रसिद्ध कलाकार श्रेया घोषाल, जिन्हें नाइटिंगेल ऑफ इंडिया के नाम से जाना जाता है, ने अपने प्रसिद्ध गाने जैसे की चिकनी चमेली, घूमर-घूमर आदि से 100,000 की अभूतपूर्व भीड़ को आकर्षित किया, जो की किसी भी महिला कलाकार के लिए एक रिकॉर्ड कायम करने वाली बात है। अगले दिन, तलविंदर सिंह ने 80,000 से 100,000 की भीड़ को आकर्षित करते हुए धुंधला, ख्याल जैसे गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंतिम दिन एक अंतर्राष्ट्रीय ईडीएम डीजे अर्थात् डीजे ब्रुक्स के साथ-साथ रावेटर, एक भारतीय ईडीएम सनसनी, ने दिल्ली भर के छात्रों को प्रसन्न किया। यह सब प्रो नाइट आर्टिस्ट के अलावा ओपन एयर थिएटर में भी नामी गायक जैसे की रागा, मृणाल शंकर, लेखक (एमटीवी हसल 3.0), स्पेक्ट्रा, काका (हरियाणवी कलाकार), काश बैंड, ध्रुव स्टेटिक ने आके चार चांद लगाए। ●

टीचिंग लाइन में बनाना चाहते हैं करियर तो इन कोर्सेज और एग्जाम्स के जरिए मिलेगी सफलता

शिक्षा के क्षेत्र में सिर्फ स्टूडेंट्स ही नहीं बल्कि टीचर्स के लिए भी कई अवसर मौजूद हैं। भारत में टीचिंग काफी पॉपुलर प्रोफेशन है। यहां टीचर्स का स्थान हमेशा ही ऊंचा रहा है। यही कारण है कि भारत में ज्यादातर युवा खासकर महिलाएं टीचर बनना चाहती हैं।

एलिजिबिलिटी

देश में टीचर बनने के लिए B.Ed होना बहुत जरूरी है। इसके अलावा अपनी योग्यता में इजाफा करने के लिए आप रूश्वस्त्र भी कर सकती हैं। इसके अलावा आप बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट या डिप्लोमा इन एजुकेशन या टीचिंग ट्रेनिंग सर्टिफिकेट भी कर सकती हैं।

टीचर बनने के लिए कोर्स

बीएड (बैचलर ऑफ एजुकेशन)- टीचिंग में आने के लिए बीएड काफी लोकप्रिय है। बीएड करने के लिए एंट्रेंस एग्जाम देना होता है, जिसके लिए ग्रेजुएट होना जरूरी है।

बीटीसी (बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट)- बीटीसी सिर्फ उत्तर प्रदेश के कैंडिडेट्स के लिए होता है, जिसमें सिर्फ राज्य के ही स्टूडेंट्स हिस्सा ले सकते हैं। बीटीसी दो साल का कोर्स है और इसके लिए भी एंट्रेंस एग्जाम देना होता है।

एनटीटी (नर्सरी टीचर ट्रेनिंग)- एनटीटी बड़े शहरों में ज्यादा पॉपुलर है। यह दो साल का कोर्स है, जिसमें एडमिशन 12वीं के मार्क्स के आधार पर और कई जगह एंट्रेंस एग्जाम के बाद दिया जाता है। एनटीटी करने के बाद आप प्राइमरी टीचर बनने के लिए एलिजिबिल होते हैं।

बीपीएड (बैचलर इन फिजिकल एजुकेशन)- आजकल फिजिकल एजुकेशन में जॉब के काफी ऑप्शन हैं। प्राइवेट और सरकारी स्कूल में ज्यादातर फिजिकल टीचर्स की जगह खाली हैं। इसके एंट्रेंस टेस्ट में फिजिकल फिटनेस टेस्ट के साथ ही लिखित परीक्षा भी होती है। एंट्रेंस टेस्ट में पास होने के बाद इंटरव्यू भी क्वालिफाई करना जरूरी है।

जेबीटी (जूनियर टीचर ट्रेनिंग)- जेबीटी के लिए आपको 12वीं पास होना चाहिए। इस कोर्स में एडमिशन मेरिट या एंट्रेंस के आधार पर होता है। इसे करने के बाद आप प्राइमरी टीचर बनने के लिए योग्य हो जाते हैं।

टीचर बनने के लिए जरूरी एग्जाम-

टीजीटी और पीजीटी- यह टेस्ट स्टेट लेवल एग्जाम है, जो मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश और दिल्ली में फेमस है। टीजीटी के लिए ग्रेजुएट और बीएड होना जरूरी है, जबकि पीजीटी के लिए पोस्ट ग्रेजुएट और बीएड डिग्री होना जरूरी है।

टीईटी

देश के कई राज्यों में इस एग्जाम को बीएड और डीएड करने वाले स्टूडेंट्स के लिए कराया जाता है। इस एग्जाम में वे स्टूडेंट भी हिस्सा ले सकते हैं, जिनके बीएड का रिजल्ट नहीं आया है।

सीटीईटी- केंद्रीय विद्यालय, दिल्ली के स्कूल, तिब्बती स्कूल और नवोदय विद्यालयों में टीचर बनने के लिए इस एग्जाम को पास करना होता है। यह एग्जाम सीबीएसई की ओर से आयोजित किया जाता है, जिसमें ग्रेजुएट पास और बीएड डिग्री वाले स्टूडेंट ही हिस्सा ले सकते हैं।

यूजीसी नेट- कॉलेज में लेक्चरर की नौकरी करने के लिए नेट का एग्जाम निकालना जरूरी है। नेट का पेपर एक साल में 2 बार दिसंबर और जून में होता है। कैंडिडेट्स इंग्लिश और हिंदी किसी भी मीडियम से परीक्षा दे सकते हैं।

फ्यूचर अपॉर्च्युनिटी

इस फील्ड में जॉब की कोई कमी नहीं है। देश के दूर-दराज वाले इलाकों में भी अब स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज खुल रही हैं। ऐसे में स्कूल-कॉलेज में पढ़ाने के लिए योग्य, ट्रेन्ड और प्रोफेशनल टीचर्स की मांग भी बढ़ती जा रही है। ●

डेटा एनालिटिक्स में विश्व स्तर पर बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल पूरी दुनिया में डेटा एनालिटिक्स का आकर्षण है। अपार संभावनाओं से भरपूर यह क्षेत्र बौद्धिक चुनौतियों, अट्रैक्टिव सैलरी के साथ भविष्य को आकार देने का मौका प्रदान करता है। अगर आप भी दुनिया के किसी ऐसे देश में जाकर अपने डेटा एनालिटिक्स रियर में बेहतरीन ग्रोथ पाना चाहते हैं, तो आइये जानिए कि कौन-कौन से देश आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका

यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका डेटा एनालिटिक्स की दुनिया में निर्विवाद एक दिग्गज के रूप में भूमिका निभा रहा है। अमेरिका तकनीकी, स्टार्टअप्स और बड़ी कंपनियों के साथ एक संपन्न इकोसिस्टम का दावा करता है। इनोवेशन हब सिलिकॉन वैली, लेटेस्ट प्रोजेक्ट्स और बेहतरीन सैलरी प्रदान करता है। हालांकि, यहां हाई कॉस्ट ऑफ लिविंग और इंटेन्स वर्क कल्चर चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

कनाडा

अमेरिका की अपेक्षा कनाडा ज्यादा फ्रेंडली, मल्टी कल्चर एनवॉयरमेंट और ज्यादा आरामदायक गति की पेशकश करते हुए कनाडा डेटा एनालिटिक्स की फील्ड में एक उभरता हुआ सितारा है। स्किल्ड टैलेंट की बढ़ती डिमांड के साथ टोरंटो और वैंकूवर डेटा प्रोफेशनल्स को बेहतर अवसर देते हैं।

सिंगापुर

सिंगापुर छोटा देश होने के बावजूद डेटा एनालिटिक्स क्षेत्र में बहुत आगे है। इसकी रणनीतिक स्थिति, मजबूत बुनियादी ढांचा और स्मार्ट नेशन जैसी सरकारी पहल इसे तकनीकी कंपनियों और डेटा पेशेवरों के लिए एक मैग्नेट बनाती है। इसके साथ ही कॉम्पिटिटिव सैलरी पैकेज और हाई क्वालिटी ऑफ लाइफ इसकी अपील को और बढ़ाती है।

जर्मनी

जर्मनी डेटा एनालिटिक्स पेशेवरों के लिए बेस्ट विकल्प हो सकता है। देश एक मजबूत विनिर्माण क्षेत्र और बढ़ते तकनीकी परिदृश्य का दावा करता है, खासकर म्यूनिख और बर्लिन जैसे शहरों में। कार्य-जीवन संतुलन पर जोर देते हुए और उदार सामाजिक लाभ प्रदान करते हुए, जर्मनी एक आकर्षक कार्य वातावरण प्रदान करता है।

ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया डेटा विश्लेषकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। सिडनी और मेलबर्न प्रमुख तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप की मेजबानी करते हैं, जिससे स्किल्ड पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। आरामदायक लाइफस्टाइल और उदार इमीग्रेशन नीतियां इस फील्ड में बदलाव चाहने वालों के लिए ऑस्ट्रेलिया को एक आकर्षक विकल्प बनाती हैं।इसके अलावा डेटा एनालिटिक्स की फील्ड में ब्राजील और चीन जैसे उभरते देशों के बारे में भी आप विचार कर सकते हैं। ●

शास्त्रीय संगीत राग गायन में बच्चों ने बढ़चढ़ कर लिया हिस्सा

सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र द्वारा उभरते आर्टिस्ट नामक शास्त्रीय संगीत की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने शास्त्रीय संगीत में राग गायन, नृत्य तथा विभिन्न वाद्ययंत्रों की एकल प्रस्तुति दी। जिसमें अनेक छोटे तथा युवा वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अनुपमा तलवार चेयरपर्सन सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कमलेश शास्त्री, विनय खंडेलवाल, अरूण कुमार शर्मा, प्रधानाचार्य एस एन गोगिया तथा दीपेंद्र कांत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों में कड़ी प्रतिस्पर्धा रही जिसमें गायन की जूनियर से मनोनीत, काश्वी ने तथा सीनियर से हर्ष वर्धन, खुश्बू ने वहीं वाद्य वादन से अतेन्द्र, मनोनीत, विकास, विवेक ने तथा एकल डांस से हिमान्या कुमारी ने बाजी मरी। सभी प्रतिभागियों ने बहुत ही सुंदर प्रदर्शन किया। ●

पीयूसी सर्टिफिकेट इसलिए होता है जरूरी

भारत में कुछ सालों से पॉल्यूशन काफी ज्यादा बढ़ गया है। खासकर दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर जैसे राज्य में पॉल्यूशन काफी ज्यादा खराब हो गया है। ऐसे में सरकार हर कुछ कर रही है ताकि वह पॉल्यूशन के लेवल को ठीक कर सकें। पीयूसी का मतलब होता है पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट। यह कार के लिए बनवाना काफी ज्यादा जरूरी है। अगर आपके पास पीयूसी सर्टिफिकेट नहीं है तो आपको करीब 10 हजार का चालान देना होगा।

क्यों है जरूरी

पीयूसी देते समय यह जांच की जाती है कि कोई गाड़ी तय किए गए स्टैंडर्ड से ज्यादा पॉल्यूशन तो पॉल्यूशन नहीं कर रही हैं ना। इसकी जांच होती है जो कि आप किसी भी पेट्रोल पंप पर करवा सकते है। इसके बाद वह आपको एक पीयूसी सर्टिफिकेट देती है। इस सर्टिफिकेट को आप चेकिंग वाले को दिखाकर बच सकते हैं।

ऐसे बनवाएं पीयूसी सर्टिफिकेट

अगर आपने नई गाड़ी खरीदी है तो गाड़ी खरीदते समय ही आपको पीयूसी का सर्टिफिकेट दे दिया जाता है। इसलिए समय- समय पर आपको पेट्रोल पंप से पीयूसी सर्टिफिकेट बनवाते रहना चाहिए। बता दें कि पीयूसी सर्टिफिकेट की वैलिडिटी 6 महीने की होती हैं। इसे बनवाने के लिए आपको 60 से 100 रुपये की फीस का भुगतान करना होता है।

पीयूसी सर्टिफिकेट के फाइदे

ऐसे में अगर आपने भी अभी तक अपनी गाड़ी का पीयूसी सर्टिफिकेट नहीं बनवाया है तो इसे तुरंत ही बनवा लें। इसके महंगे चालान से आप बच सकते हैं। पीयूसी सर्टिफिकेट सभी गाड़ी को बनवाना जरूरी होता है। गाडी नई हो या पुरानी आप गाड़ी को भारत के किसी भी राज्य में चला रहे हो आपके पास पीयूसी सर्टिफिकेट होना जरूरी हैं। ●

GENERAL KNOWLEDGE

▸▸ **स्पेस** में जाने वाला सबसे पहला जानवर कौन सा था?

उत्तर-बता दें कि स्पेस में जाने वाला सबसे पहला जानवर एक कुत्ता था, जिसका नाम Laika था।

▸▸ बताएं आखिर छठ पूजा किस राज्य का प्रसिद्ध त्यौहार है?

उत्तर-छठ पूजा बिहार का सबसे प्रसिद्ध त्यौहार है, इसमें उगते हुए और डूबते हुए सूरज की पूजा की जाती है।

▸▸ आखिर वो कौन सा पक्षी है, जो इंसान के हाथ लगाते ही मर जाता है?

उत्तर- दरअसल, वो पक्षी टिटोनी है, जो इंसानों के हाथ लगाते ही मर जाता है।

▸▸ आखिर वो कौन सा जीव है, जो इंसान से ज्यादा पेड़ लगाता है?

उत्तर- गिलहरी ही वो जीव है, जो इंसानों से ज्यादा पेड़ लगाती है।

▸▸ भारत के किस राज्य में सबसे ज्यादा जुड़वा बच्चे पैदा होते हैं?

उत्तर-केरल में सबसे ज्यादा जुड़वा बच्चे पैदा होते हैं।

▸▸ संसार में किस पेड़ को सबसे खूबसूरत पेड़ माना जाता है?

उत्तर-संसार में विस्टेरिया ट्री को सबसे खूबसूरत पेड़ माना जाता है।

▸▸ किस जीव को सबसे ज्यादा मजबूत माना जाता है?

उत्तर-टार्डिग्रेड को सबसे ज्यादा मजबूत माना जाता है।

▸▸ हमारे शरीर का कौन सा अंग बाइल जूस तैयार करता है?

उत्तर-लिवर ही हमारे शरीर का वो अंग है, जो बाइल जूस तैयार करता है।

▸▸ खाने की वो कौन सी चीज है जो कभी खराब नहीं होती है?

उत्तर-शहद ही खाने की वो चीज है जो कभी खराब नहीं होती है।

▸▸ रक्त का थक्का बनाने में कौन सा विटामिन सहायक होता है?

उत्तर-रक्त का थक्का बनाने में विटामिन K सहायक होता है। ●

गाजीपुर की 12 ग्राम पंचायतें हुईं टीबी मुक्त, इस साल के वर्ल्ड टीबी डे पर मिलेगा प्रमाण पत्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम व प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद की 12 ग्राम पंचायतों ने अपने गाँव से टीबी का पूरी तरह से उन्मूलन कर दिया है। शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल ने जिलाधिकारी आर्यका अखौरी को टीबी मुक्त हुईं 12 ग्राम पंचायतों की रिपोर्ट सौंपकर, उक्त सभी टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों को वर्ल्ड टीबी डे 24 मार्च 2024 पर प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने का अनुरोध किया। इसको स्वीकार करते हुये जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित समस्त स्वास्थ्य एवं पंचायती राज विभाग को बधाई दी और आगे भी इसी तरह कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सीएमओ डॉ देश दीपक पाल ने बताया कि स्वास्थ्य एवं पंचायती राज विभाग के संयुक्त प्रयास से ब्लॉक स्तर पर कुल 22 ग्राम पंचायतों ने टीबी मुक्त होने का दावा पेश किया था। इन दावों के सत्यापन के लिए जनपद स्तरीय तीन सत्यापन समिति का गठन किया गया था। इन समितियों ने

दावा पेश करने वाली सभी 22 ग्राम पंचायतों का सत्यापन किया, जिसमें 10 ग्राम पंचायतें सरकार के निर्धारित टीबी मुक्त पंचायत के मानकों पर खरी नहीं उतर सकी, जो पुनः दावा पेश करेंगी। इसके अलावा शेष 12 ग्राम पंचायतें क्रमशः पिहुली (बाराचवार), रोहिली (कासिमाबाद), माधोपुर मिश्ररौली (बिरनों), गोड़ी खास (भांवरकोल/गोड़उर), सुगवलिया (रेवतीपुर), रामपुर सलेमपुर सादात, मिजार्पुर, इचवल (सैदपुर), शिवदाशीचक (देवकली) तथा लीलापुर व सोनहरिया (करंडा) ने निर्धारित मानकों को पूरा किया। इन्हें टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के रूप में घोषित किया गया है। अब जनपद के 16 ब्लॉक की शेष 1226 (कुल 1238) ग्राम पंचायतें जल्द ही टीबी मुक्त होने का दावा पेश करेंगी और वर्ष 2025 तक प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त जनपद, प्रदेश व देश के संकल्प को पूरा करेंगी। सीएमओ ने कहा कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान में पंचायती राज विभाग की ओर से महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है। टीबी मुक्त पंचायत अभियान को सफल बनाने में पंचायती राज अधिकारी सहित समस्त अधिकारी, ग्राम प्रधान एवं अन्य कर्मी अपना अहम योगदान दे रहे हैं। साथ ही जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ मनोज कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ मिथलेश कुमार, जिला पीपीएम समन्वयक अनुराग कुमार पाण्डेय एवं एनटीईपी के समस्त एसटीएस, एसटीएलएस एवं स्वास्थ्य कर्मी भी पूरी लगन और जोश के साथ जुटे हुए हैं। डीपीसी डॉ मिथलेश कुमार ने बताया कि जनपद स्तरीय सत्यापन समिति में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं उनके द्वारा नामित सदस्य, जिला पंचायती राज अधिकारी एवं उनके द्वारा नामित सदस्य, जिला क्षय रोग अधिकारी, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन आईएमए के प्रतिनिधि, मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन के प्रतिनिधि एवं अन्य विभागों के प्रतिनिधियों को सम्मिलित करते हुए टीम का गठन किया गया था। टीम के द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया। यह प्रक्रिया आगे भी इसी तरह संचालित की जाएगी।

बंदी के दिन खुली दुकान पर दुकानदारों को कोतवाल ने चेताया

प्रखर जखनिया गाजीपुर। स्थानीय कस्बा की जिलाधिकारी के निर्देश पर साप्ताहिक बंदी श्रम विभाग द्वारा शुक्रवार को निर्धारित करने के बाद भी कुछ दुकानदार दुकानों को बंद नहीं किये थे। कस्बा के ही कुछ दुकानदारों द्वारा भुड़कुड़ा पुलिस से दुकान खोलने की शिकायत की। दुकान खोलकर बैठे दुकानदारों को पुलिस द्वारा जांच करने की भनक लगते ही सभी लोग अपने दुकान बंद करके खिसक लिए, कई दुकाने खोल कर बैठे दुकानदार पकड़े गए। जिन्हें कोतवाल ने चेताया की साप्ताहिक बन्दी का पालन करें। अन्यथा कार्रवाई की जायगी। कोतवाल तारावती ने बताया कि कस्बा के ही दुकानदारों द्वारा कुछ दुकानदार दुकान खोलकर बैठे होने की शिकायत की। जिन्हें साप्ताहिक बंदी का पालन करने को लेकर चेताया गया कि नियम का पालन करे।

संक्षिप्त खबरें

दो कुलों को जोड़ने का कार्य करतीं हैं बेटियां- मंजू सिंह

प्रखर पराऊगंज जौनपुर। बेटियां सागर के समान होती हैं। यह दो कुलों को आपस में जोड़ने का कार्य करती हैं। परिवार के हर सदस्य का बखूबी ख्याल रखने वाली बेटियों के बचाव में समाज को हर पल खड़ा रहना चाहिए। दहेज के लिए बेटियों को मारने वाले समाज के दुश्मन हैं। यह बातें कुटीर पीजी कालेज चक्के के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिवस प्राथमिक विद्यालय खालिसपुर खुर्द के प्रांगण में मुख्य अतिथि खालिसपुर खुर्द ग्राम सभा के प्रधान मंजू सिंह ने कही। प्राध्यापिका अनुश्री प्रियंका उपाध्याय ने नारी सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अधिकारी डॉ संजय यादव ने छात्र जीवन को अनुशासित कैसे बनाएं बातों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ एनपी मिश्र ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्राध्यापिका डॉ बंदना मिश्र शीला यादव पूजा मिश्र अनुपमा पांडे समेत कृष्ण कुमार मिश्र अखिलेश मिश्र आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ श्रीनिवास तिवारी ने किया।

असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर विकास सिंह का चयन

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के बेलांव निवासी विकास सिंह का चयन असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर होने से उनके पैतृक गांव बेलाव और शिक्षा के केंद्र ननिहाल शिवरामपुर कला में खुशियां मनाई गई। मालूम हो कि विकास सिंह का जन्म बेलाव निवासी एक साधारण किसान मैनबहादुर सिंह के घर हुआ।इकलौते बेटे की इस उपलब्धि पर माता सुनीता सिंह फूले नहीं समा रही है।विकास की प्रारंभिक शिक्षा गांव में हुई और नालदेव कुलदेव इंटर कालेज बेलाव से प्रथम श्रेणी में हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण की।यूपी कालेज वाराणसी से इंटर करने के बाद स्नातक और परास्नातक राजनीति विज्ञान की परीक्षा काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से पास की। नेट जेआर एफ और राजनीति शास्त्र में पी एच डी धारक विकास सिंह का बीएचयू से संबद्ध डीएवी कालेज वाराणसी में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन हुआ है। इनके चयन से खुश शिवरामपुर कला निवासी विकास सिंह के मामा पूर्व प्रधान नवीन कुमार सिंह डब्लू ने बधाई देने आए लोगों को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। बधाई देने वालो में ध्रुव कुमार सिंह लालबहादुर दादा हरिनाथ सिंह मनोज सिंह नीलू करिया सिंह शिवशंकर सिंह हरिराम पाल योगेंद्र प्रताप सिंह गुल्ली पांडेय गप्पू सिंह सतीश सिंह प्रशांत शुक्ल एवं महेंद्र मौर्य मुख्यरूप से शामिल थे।

प्रदेश के कोटेदारों का कमीशन जल्द बढाया जाय : गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी। पिंडरा तहसील में पदाधिकारियों की बैठक में बोले कि प्रदेश में कोटेदारों का कमीशन बढाया जाय। क्योंकि उत्तर प्रदेश के कोटेदार का कमीशन अन्य प्रदेशों से बहुत कम हैं प्रदेश सरकार द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि न ई वोईग कांटा मशीन लग गया है।अब प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी हमलोगो का ध्यान दें।ताकि कोटेदार भी अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें।जिस तरह से कोटेदार सरकार के योजनाओं को अपने स्तर पर सफल बना रहें हैं।उसी तरह से सरकार को भी हमलोगो पर विचार करना चाहिए।बैठक में जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पाण्डेय जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्रा जिला उपाध्यक्ष आलोक दूबे टिक्ल जिला महासचिव विनोद पाण्डेय अशोक कुमार तहसील अध्यक्ष पिंडरा रोशन मिश्रा जिला सचिव टाइगर सिंह जिला सचिव शिव तिवारी आदि लोग उपस्थित थे।

भीषण सड़क हादसे में मासूम सहित तीन घायल, एक की हालत नाजुक

प्रखर शाहगंज जौनपुर। गुरुवार की रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक पर सवार एक मासूम सहित तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए। बताया जाता है की गुरुवार की रात लगभग साढ़े नौ बजे नगर के इराकियाना निवासी 16 वर्षीय तौफीक अहमद अपनी छोटी बहन 10 वर्षीय फातिमा और 6 वर्षीय निदा पुत्र एवं पुत्रीगण सफीक अहमद को एक बाइक पर सवार होकर घूमने निकला था ।की इम्रानगंज के पास विपरीत दिशा से आरही तेज रफ़्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे तीनो बाइक से छटक कर दूर गिरे और बुरी तरह घायल हो गए।तभी वहीं से गुजर रहे समाजसेवी गालिब शेख ने तीनों को उपचार हेतू आनन फानन में नजीरा बाद स्थित उस्मानिया हॉस्पिटल ले गए एवं एक का उपचार नगर के एक अन्य निजी नर्सिंग होम में चल रहा है।बताते हैं तीनो में से एक की हालत नाजुक बनी हुई है। मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी गयी है।

वित्तीय संस्था एल आई सी में अपनी राशि जमा कर सुरक्षित करें : शाखा प्रबंधक अनुराग अंजन

जखनिया गाजीपुर। स्थानीय कस्बा के भारतीय जीवन बीमा निगम की सैटेलाइट शाखा में शाखा प्रबंधक अनुराग अंजन सिंह ने मुख्य बीमा सलाहकार व अभिकताओं संग बीमा धारकों की एक संगोष्ठी शाखा परिसर में करते हुए लोगों को निगम द्वारा जारी की गई योजनाओं की जानकारी दी ,बताया कि आर्थिक क्षेत्र मे बदलते परिवेश में अब ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी अत्यधिक लाभ के साथ अपने जमा पूंजी को एल आई सी जैसे विश्व की बड़ी वित्तीय संस्था में जमा कर अपनी धनराशि सुरक्षित करें। निगम द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाओं के माध्यम से सभी वर्ग के लोगों के लिए कम खर्चों के साथ जारी कर दी गई है। चाहे किसान, मजदूर व नौकरी करने वाले , व्यापारी सहित सभी वर्ग के लोग जैसे बुढ़ापे में आजीवन पेंशन देने की गारंटी युक्त योजनाएं शामिल हैं। बताया कि जीवन उत्सव, जीवन उमग ,जीवन शांति , जीवन अक्षय के अलावा युलिप की योजनाएं चल रही हैं ।अभिकताओं को आवाहन किया कि निगम की सभी योजनाओं की जानकारी कर बीमा धारकों के यहां पहुंचे ,तथा उन्हें सभी योजनाओं की विधिवत जानकारी दें कोई समस्या आने पर तत्काल संपर्क करें ।मौके पर भरत सिंह ,कन्हैया यादव , हरिओम कृष्ना ,आनंद कुमार कृष्ण कुमार पांडे, अमित कुमार, नंदलाल चौहान, सतीश चंद्र सहित काफी संख्या में लोग रहे।

बिना मौसम की बरसात से बढ़ी बाजार में फिसलन

प्रखर जखनिया गाजीपुर । गुरुवार को सायं काल बरसात होने से ठंडक बढी तो बाजार में फिसलन बढ़ गई ।तहसील मुख्यालय से यूनियनबैंक ,परसुपुर तक भुडकुंडा जाने वाली सड़क पर फीसलन बढ़ने से अब लोगों को पैदल चलना दुबर हो गया है ।सड़कों पर कीचड़ , पानी जमा होने से सड़क पर तेज गति से चल रहे वाहनों से छिटकी ,कीचड़ अब दुकानों में जा रहे हैं। जिससे दुकानदार भी परेशान है ।बरसात होने से कीचड़ सब्जी मंडी , सोनारी गली, रेलवे स्टेशन चौराहे तक की सड़क पर कीचड़ होने से अब ट्रेन पकड़ना भी लोगों के लिए एक समस्या बनी है ।बरसात होने से लोगों को बढी दुश्वारियों के बाद भी संबंधित अधिकारी चुप्पी साधे पड़े हैं ।

स्वच्छ भारत अभियान का उड़ाया जा रहा है धज्जियां ग्रामीणों में आक्रोश

प्रखर चंदवक जौनपुर। चंदवक स्थानीय थाना क्षेत्र के भगवान किनाराम तपोभूमि हरिहरपुर मार्ग पर जाने वाली सड़क पर बह रहा है गंदा पानी नहीं हो रहा नाली कुडा का कोई ब्यवस्था नाली की ना होने से ग्रामीणों मे काफी आक्रोश। जहाँ एक तरफ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान चलाकर गांव गली मौहल्ला पर सफासफाई पर जोरशोर से ध्यान दे रही हैं तो वहीं डोभी के भगवान किनाराम तपोभूमि हरिहरपुर मार्ग पर रास्ता जाने वाली सडक बेहद गंदगी कुडा गंदा से भरा पड़ा हुआ है। डोभी ब्लॉक से समीप मात्र दो सौ मीटर के समीप बेहद गन्दगी से भरा कुडा गंदा पानी भरा हुआ

है नाली के सटा हुआ हैं ग्रामीणों का जीना दुसवार हो गया है वहीं उत्तर प्रदेश को स्वच्छ भारत अभियान बनाने वाली बात हवा हवाई साबित हो रही हैं। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों का भी तनिक भी ध्यान नहीं जा पा रहा है चंदवक डोभी क्षेत्र के भगवान किनाराम तपोभूमि स्थल पर जाने वाला रास्ता पर आए दिन गंदगी का अंबार लगा रहता है वही ग्रामीणों का कहना है की हम लोग बार बार ग्राम प्रधान से कहकर के थक चूके हैं इसके बावजूद भी इस समस्या का हल नहीं हो पा रहा है वहीं इस समस्या को लेकर ग्रामीणों मे आक्रोश ब्याप्त हैं।

आजमगढ़ में जंगली सूअर के हमले में एक की मौत

प्रखर आजमगढ़। शुक्रवार की दोपहर को जंगली सूअर ने घर के बाहर काम कर रहे एक किसान पर हमला कर दिया। सूअर ने किसान के गले में काट लिया। चिल्लाने की आवाज पर परिजन पहुंचे। किसान को तुरंत अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जबकि शोर सुनकर पहुंचे 6 और लोगों को सूअर ने काट लिया। जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला जहानागंज थाना क्षेत्र के बस्ती गांव का है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और वन विभाग की टीम जंगली सूअर को पकड़ने के प्रयास में जुट गई है। मौके पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। मृतक की पहचान बंगाली राम (58) के रूप में हुई है। जिनको सूअर ने गले में काट लिया। ज्यादा खून बहने से मौत हो गई। जबकि अन्य को सूअर ने पैर में काटा है। वहीं सूअर के हमले में सहदेव के पुत्र रामकीरत (55), मुनीशराम के पुत्र सुभाष (50), बुलाकी राम के पुत्र चंद्रबली बली

(60), बुलाकी राम के पुत्र श्याम देव (55), रामा के पुत्र गुलशन कुमार (24) और दीपाराम के पुत्र त्रिलोकी (40) गंभीर रूप घायल हो गए हैं। सभी घायलों का गंभीर स्थिति में इलाज किया जा रहा है।

विशाल भंडारे व महाप्रसाद के साथ दस दिवसीय श्रीराम महायज्ञ की पूणार्हुति

श्रीराम कथा व अखंड श्रीसीताराम नाम संकीर्तन को भी दिया गया विश्राम

प्रखर कुशीनगर। कसया नगर स्थित श्रीरामजानकी मंदिर (मठ) में चौदहवें वर्ष चल रहे दस दिवसीय श्रीराम महायज्ञ की विशाल भंडारे व महाप्रसाद के साथ शुक्रवार को पूणार्हुति हुई। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया जिसमें कुशीनगर जनपद के साथ साथ देश के विभिन्न राज्यों व नेपाल से आये श्रद्धालु शामिल रहे। श्रीराम महायज्ञ के साथ श्रीरामकथा व अखंड श्रीसीताराम नाम संकीर्तन को भी विश्राम दिया गया। महंत त्रिभुवन शरण दास व व्यस्थापक देव नारायण शरण द्वारा यज्ञाचार्य, कथा व्यास और संकीर्तन कर रहे संतों की विदाई की गई एवं आयोजन में सहभागी बने सभी श्रद्धालुओं के प्रति धन्यवाद व आभार प्रकट किया गया। इसके पूर्व श्रीराम कथा के अंतिम दिन व्यास पीठ से श्रीराम कथा की अमृत वर्षा कराते हुए महंत गणेश दास महाराज ने श्रीराम

रावण युद्ध और श्रीराम राज्याभिषेक की कथा का मनोहारी वर्णन किया। इस दौरान स्थानीय कलाकारों द्वारा भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। कथा का प्रारम्भ यजमान मीनू पाठक द्वारा व्यास पीठ के पूजन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 हरिओम मिश्र ने किया। इस अवसर पर विधायक कुशीनगर पीएन पाठक, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कुशीनगर किरन जायसवाल, आचार्य रामजी पांडेय, विष्णु शरण, परशुराम दास, रामजी शरण, डॉ0 डीएस तिवारी, इन्द्रासन प्रसाद संतजी, रामदयाल पटेल, राकेश जायसवाल, राजेश मद्देशिया, विजय कुमार, शिवानंद दुबे, सुरेश प्रसाद गुप्त, मंटू मद्देशिया, रुद्र प्रकाश सिंह, मणि प्रकाश यादव, निशांत सिंह, हृदयानंद तिवारी, सावित्री देवी, गंगोत्री देवी, कृष्णावती देवी, ममता कश्यप, अभिषेक शुक्ल, अनमोल तिवारी, आदित्य मिश्र, अनिकेत, विवेक द्विवेदी, नीरज मिश्र आदि उपस्थित रहे।

हल्की बारिश में झील बनी सड़क, ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर पानी में रोपे पौधे

महाप्रधान ने कहा सड़क पीडब्ल्यूडी का जल्द होगा सड़क का निर्माण

प्रखर शाहगंज जौनपुर। जब हल्की बारिश ही ग्राम प्रधान,जिला पंचायत सदस्य के वादों की कलई खोल दे। तो इससे क्षेत्र के विकास का अनुमान लगाया जा सकता है। बताते हैं लगभग एक दशक पूर्व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी जनपद के बॉर्डर से एकदम सटे ग्राम नटोली सड़क का जो दीदारगंज सम्पर्क मार्ग को जोड़ती है।उसकी हालत इतनी दयनीय है की सम्बंधित विभाग की दया की बाट जोह रहा उक्त सड़क कराह कराह कर त्राहिमाम त्राहिमाम कह रहा है।नगर पालिका परिषद की सीमा जहां से खत्म हो रही है वहीं से नारकीय दुर्दशा देखने को मिल जाएगी। सड़क का अस्तित्व एकदम से समाप्त हो चुका है।दो दिन रुक रुक हुई हल्की बारिश ने सड़क को झील बना दिया है।अब हालात यह है की उसी रास्ते झील से स्कूली छात्र, बुजुर्ग, यात्री, और वाहनों को इस दरिया को पार करके जाना पड़ता

है।कभी कभी तो छोटे छोटे स्कूली बच्चे और दो पहिया वाहन सड़क में गड्ढे होने का अंदाजा न होने के कारण गिर कर चुटहिल हो जाते है साथ ही कपड़े की तो पूछिये ही मत क्या दशा होती है। जब पानी सर से ऊपर हो गया तो ग्रामीणों का दर्द छलका और उस दर्द को सड़क के गड्ढे में जमे उसी पानी मे पौधे रोप कर अपने गुस्से का इजहार किया।और कहा की अगर जल्द से जल्द इस सड़क का निर्माण नही होता है तो बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस सम्बंध में जब बीस वर्ष से कब्जा जमाये एक ही परिवार के ग्राम प्रधान पुत्र व जिला पंचायत सदस्य से सुरेंद्र कुमार यादव से बात की गई तो उन्होंने कहा की ग्राम सभा सहित जिला पंचायत क्षेत में सड़क, नाली, लाइट,शौचालय और आवास पर बहुत काम किया गया है।नटोली का उक्त मार्ग पीडब्लूडी का जिसका निर्माण हुब्बीगंज से होते हुए नटोली तक आएगी। सवाल यह उठता है की आजमगढ़ जनपद के सड़क निर्माण जौनपुर जनपद तक क्यों आएगा यह समझ से परे।और तो और जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र यादव के दावों पर भी ग्रामीण सवालिया निशान लगाते हैं। जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगीनाथ आदित्य का सख्त निर्देश है की प्रदेश की संपर्क एवं लिंक मार्ग दुरुस्त होगी। जो धरातल पर शून्य है।प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाई गई सड़क के उखड़ने से अधिकारियों के कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह स्थिति तब है जब सड़क निर्माण में पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है। तमाम कायदे-कानून के बाद भी ठेकेदारों की मनमानी से सरकार की ओर से पारदर्शिता को लेकर किए जा रहे तमाम दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विरोध प्रदर्शन में गालिब शेख,इंद्रजीत यादव सुरेंद्र यादव दिलीप कुमार सुरेश चौहान सुभाष राजभर, सहित तमाम लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

धूमधाम से मनाई गई संत बाबा गाड़गे की जयंती

प्रखर जौनपुर। नगर क्षेत्र के केरार बीर मन्दिर परिसर में धोबी समाज के लोगो के द्वारा महान संत गाड़गे के जन्म जयंती अवसर पर कार्यक्रम किया गया` कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के साथ समाज के उत्कृष्ट लोगो को पुरस्कृत भी किया गया, विभिन्न वक्ताओं ने अपनी श्रद्धा ज्ञापित करते हुऐ समाज को शिक्षित और संगठित रहने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में प्रमुख उपस्थिति केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष जौनपुर के प्रतिनिधि राममूरत मौर्य, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन, अनिल कन्नौजिया, संजय कन्नौजिया, सुभाष कन्नौजिया सहित हजारों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पूर्व विधायक चौधरी ने कहा कि आज समाज में एकजुटता के साथ साथ शिक्षित बनने की अत्यंत आवश्यकता है। सबको एक दूसरे का सहयोग करना होगा,सबको शिक्षित बनना होगा,पुनः देश की बागडोर प्रधानमन्त्री मोदी को सौंपना होगा,अंत में पूर्व विधायक ने कहा कि मैं आप सबके सहयोग से नगर क्षेत्र में महान संत गाड़गे बाबा का मूर्ति लगवाकर के एक पार्क का निर्माण भी कराऊंगा। कार्यक्रम से पूर्व नगर क्षेत्र में राष्ट्रीय रजक महासंघ भारत के कार्यकताओं एव पदाधिकारियों ने सोभा यात्रा भी निकाला।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं